राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........ 9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, बुधवार, 17 सितम्बर 2025
वर्ष 14, अंक 156, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

बाघ की लोकेशन के बाद एरिया रेड जोन मवेशी के शिकार के बाद 500 मीटर का इलाका सील..03

गोण्डा में स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही से मां-नवजात की मौत, सेवाओं पर सवाल..04

फर्जी जज बनकर हड़पे 59.50 लाख, पकड़ने गई पुलिस तो कुत्ते छोड़े

●3 घंटे तक रहे चुप , फिर पुलिस ने किया कुछ ऐसा कि खोल दिए सारे राज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ- यूपी की राजधानी लखनऊ में जज बनकरचलरूकी नर्सिंग ऑफिसर को शादी का झांसा दिया और फिर 59.50 लाख ठग लिए। तलाश में जुटी कानपुर पुलिस ने उसे अरेस्ट कर लिया है। आरोपी विष्णु शंकर गुप्ता उर्फ अंशुमान विक्रम आइएएस, आइपीएस तो कभी न्यायिक अधिकारी बनकर 10 से ज्यादा लोगों से करोड़ों रुपये ठग चुका है। पुलिस की टीम जब उसके घर पर पहुंची तो उसने उस पर 2 कुत्तों को छोड़ दिया। पुलिस की टीम किसी तरह उन कुत्तों से बचकर अंदर पहुंची और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

जानिए पूरा मामला

बुलंदशहर की रहने वाली युवती लखनऊ के लाजपत नगर में रहती है। वह केजीएमयू में नर्सिंग आफिसर हैं। उनके पिता ने उनकी शादी के लिए मेट्रोमोनियल साइट पर फरवरी 2025 में विज्ञापन दिया था। विज्ञापन देखकर एक युवक ने उनके पिता से संपर्क किया और खुद को सीतापुर का एडीजे बताते हुए शादी का प्रस्ताव रख दिया। उसने अपनी बातों से पिता के दिल जीत लिया और फिर बेटी का नंबर ले लिया। युवती ने भी शादी के लिए हां कर दी। इसके बाद दोनों की बातचीत होने लगी। बातों में फंसाकर आरोपी ने एक करोड़ की कार खरीदने की बात कही और युवती से लोन करवा लिया।

तबीयत का बहाना बनाया और रकम लेकर भाग गया आरोपी

लोन करवाने के बाद युवती के खाते में लोन के रुपये आ गए। सात सितंबर को वह 59.50 लाख रुपये लेकर चारबाग से झकरकटी बस स्टैंड पहुंचीं। इसके बाद

चुन्नीगंज स्थित शनिदेव मंदिर में दोनों की मुलाकात हुई। वहां से दोनों फिल्म देखने गए। बीच में ही तबीयत खराब होने का बहाना बनाकर आरोपी पैसे लेकर भाग गया। इसके बाद पीड़िता ने रिपोर्ट दर्ज कराई।

ऐसे पकड़ा गया आरोपी

पीड़िता ने कर्नलगंज थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी। जांच के दौरान पुलिस ने 380 सीसी कैमरे खंगाले। सुराग मिलने के बाद शुक्लागंज स्थित कंचन नगर में तरुण कुशवाहा के मकान में छापा मारकर विष्णुशंकर गुप्ता और उसकी तलाकशुदा पत्नी आयुषी गुप्ता को पकड़ना चाहा तो दोनों ने पुलिसकर्मियों पर हमले का प्रयास कर जर्मन शेफर्ड कुत्ते छोड़ दिए। कुत्तों से बचकर पुलिस ने किसी तरह दोनों को पकड़ा। इसके बाद आरोपी के घर से 42.50 लाख रुपये, कार, दो मोबाइल फोन, जज का फर्जी परिचयपत्र और बार एसोसिएशन का कार्ड बरामद हुआ है।

तीन घंटे पूछताछ के बाद भी नहीं उगला राज

पुलिस दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ करने लगी। 3 घंटे पूछताछ करने के बाद भी आरोपी चुपचाप रहे और अपना राज नहीं खोला। इसके बाद पुलिस ने इन दोनों आरोपियों को गधे पर बैठाकर मुहल्ले में घुमाने और उनके काले धंधों की मुनादी कराने की चेतावनी दी तो उन्होंने राज उगल दिए। इसके बाद घर में रखे 25 लाख रुपये और दूसरी जगह रखे 17.50 लाख रुपये बरामद कराए। दोनों आरोपी मिलकर पहले भी कई लोगों को फंसाकर ठगी कर चुके है।

AI से बदलेगा भारत का भविष्य! अगले 10 साल में 44 लाख करोड़ रुपए तक बढ़ सकती है अर्थव्यवस्था, नीति आयोग की रिपोर्ट में बड़े दावे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अब तक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) को सिर्फ एक तकनीकी टूल के तौर पर देखा जाता रहा है, लेकिन भारत में यह अब एक नई क्रांति की भूमिका निभाने जा रहा है। नीति आयोग की एक ताजा रिपोर्ट में यह साफ किया गया है कि यदि देश ने समय रहते AI को सही दिशा और रणनीति के साथ अपनाया, तो यह न केवल आर्थिक विकास की रफ्तार को तेज कर सकता है, बल्कि भारत को वैश्विक आर्थिक मंच पर भी मजबूती से स्थापित कर सकता है।

2035 तक GDP को मिलेगा 500-600 अरब डॉलर का बूस्ट

रिपोर्ट के अनुसार, AI की मदद से भारत की सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में 2035 तक 500 से 600 अरब डॉलर (लगभग ?44 लाख करोड़) तक की वृद्धि हो सकती है। यानी आने वाले 10 सालों में AI भारत की अर्थव्यवस्था के लिए एक इंजन की तरह काम करेगा, जो न केवल गति बढ़ाएगा, बल्कि नई ऊंचाइयों तक भी ले जाएगा।

AI सिर्फ तकनीक नहीं, बल्कि बदलाव की चाबी

नीति आयोग ने इसे केवल एक तकनीकी सुधार न मानकर "गेम चेंजर" बताया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि AI के उपयोग से उत्पादकता (Productivity) और कार्यक्षमता (Efficiency) में जबरदस्त बढ़ोतरी होगी, जिससे हर सेक्टर में बदलाव देखने को मिलेगा – चाहे वह शिक्षा हो, स्वास्थ्य, कृषि, मैन्युफैक्चरिंग या फिर बैंकिंग।

ग्लोबल AI इकोनॉमी में भारत की बड़ी भूमिका संभव

AI के जरिए वैश्विक अर्थव्यवस्था में आने वाले एक दशक में 17 से 26 ट्रिलियन डॉलर तक का असर पड़ने की संभावना है। नीति आयोग की मानें तो भारत इस वैश्विक AI बाजार में 10 से 15% हिस्सेदारी हासिल कर सकता है, जो दुनिया की सबसे बड़ी AI इकॉनमी में देश को गिनती में ला देगा।

STEM टैलेंट और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर बनेंगे ताकत

भारत के पास पहले से ही STEM (Science, Technology, Engineering, Mathematics) फील्ड में मजबूत मानव संसाधन है। साथ ही, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर तेजी से विकसित हो रहा है – जिससे भारत AI तकनीक को अपनाने और उस पर आधारित इनोवेशन करने के लिए पूरी तरह तैयार दिख रहा है।

AI से नौकरियों में बदलाव तय

हालांकि रिपोर्ट में यह चेतावनी भी दी गई है कि AI का प्रसार जहां नए रोजगार के अवसर लाएगा, वहीं कम कौशल वाली पारंपरिक नौकरियों पर इसका प्रतिकूल असर भी देखने को मिलेगा। खासकर रूटीन, डाटा एंट्री, क्लेरिकल व बैक-ऑफिस जैसी नौकरियों में कटौती की आशंका जताई गई है।

बैंकिंग और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को होगा बड़ा लाभ

AI से सबसे बड़ा प्रभाव वित्तीय सेवाओं (बैंकिंग, इंश्योरेंस आदि) और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में देखने को मिलेगा। अनुमान है कि इन क्षेत्रों से GDP में कुल 20 से 25% का योगदान आ सकता है। अकेले बैंकिंग सेक्टर में AI की वजह से 50-55 अरब डॉलर, जबकि मैन्युफैक्चरिंग से 85-100 अरब डॉलर की अतिरिक्त आय संभव मानी जा रही है।

राम मंदिर की रेकी, खालिस्तानी कनेक्शन और साजिश की सुई- भगवा झंडे वाली गाड़ी से आया था दुसाद, कोर्ट ने नहीं दी जमानत!

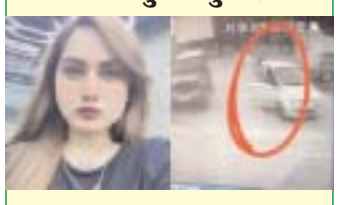

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के दौरान संदिग्ध गतिविधियों में पकड़े गए शंकरलाल दुसाद को कोर्ट से जमानत नहीं मिली है। आरोपी शंकरलाल राजस्थान के सीकर जिले का रहने वाला है और उस पर मंदिर परिसर की रेकी (जासूसी) करने, विदेशी कट्टरपंथियों से संपर्क रखने और खालिस्तान समर्थकों से जुड़े होने के गंभीर आरोप हैं।

क्या हुआ था 22 जनवरी को?

22 जनवरी 2024 को अयोध्या में रामलला की मूर्ति स्थापना और प्राण प्रतिष्ठा का ऐतिहासिक कार्यक्रम हो रहा था। इसी दिन आरोपी शंकरलाल दुसाद, सफेद स्कॉर्पियो गाड़ी (HR 51 BX 3753) से अपने साथियों के साथ अयोध्या पहुंचा। उसके साथ अजीत शर्मा और प्रदीप पूनिया नाम के दो और लोग भी थे। भगवा झंडा लगी गाड़ी में बैठकर वह मंदिर परिसर और आसपास की गतिविधियों की चुपचाप निगरानी कर रहा था। ञ्जस को उस पर शक हुआ और उसे तुरंत हिरासत में ले लिया गया।

FIR और ATS की कार्रवाई

19 जनवरी 2024 को इस मामले में ञ्जस गोमतीनगर थाने में FIR दर्ज की गई। जांच में पता चला कि यह सिर्फ साधारण जासूसी नहीं थी - यह मामला सीधे राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा था।

खालिस्तानी लिंक और विदेशी कनेक्शन

पूछताछ में बड़ा खुलासा हुआ कि शंकरलाल दुसाद का खालिस्तानी विचारधारा से जुड़ाव था। वह विदेश में बैठे खालिस्तान समर्थकों, जैसे कि लखविंदर सिंह लांडा और गुरपतवंत सिंह पन्नू से लगातार संपर्क में था। उसे सोशल मीडिया और कॉल्स के जरिए संपर्क में रखा गया था। गुरपतवंत सिंह पन्नू ने उसे मंदिर की रेकी करने और नक्शा भेजने का निर्देश भी दिया था।

कोर्ट ने क्यों खारिज की जमानत?

लखनऊ की ञ्जस स्पेशल कोर्ट ने दुसाद की जमानत याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने माना कि आरोपी की गतिविधियां गंभीर प्रकृति की हैं। यह मामला राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा है। अभी आरोपी को रिहा करना समाज और देश के लिए खतरा हो सकता है। इसलिए कोर्ट ने उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी।

ATS की सतर्कता से टली बड़ी साजिश

राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का दिन धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण था। लाखों श्रद्धालु अयोध्या में मौजूद थे। ऐसे समय में किसी संदिग्ध व्यक्ति का मंदिर परिसर में घूमना गंभीर खतरे की ओर इशारा करता है। ATS की सतर्क निगरानी और तेज कार्रवाई से एक संभावित साजिश को समय रहते विफल कर दिया गया।

संत कबीर के नाम पर यूपी में स्थापित होंगे वस्त्र एवं परिधान पार्क- सीएम योगी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के हथकरघा एवं वस्त्र उद्योग क्षेत्र में निजी निवेशकों की बढ़ती रुचि को देखते हुए विभिन्न जिलों में वस्त्र एवं परिधान पार्क स्थापित करने का निर्णय लिया है। एक उच्चस्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश पारंपरिक हथकरघा और वस्त्र उत्पादों की समृद्ध धरोहर वाला राज्य है, जिसकी क्षमता का सही उपयोग होने पर प्रदेश को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी नई पहचान दिलाई जा सकती है। एक बयान में उन्होंने कहा कि वर्तमान में वस्त्र एवं परिधान का वैश्विक बाजार वर्ष 2030 तक 2,300 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है और भारत इसमें आठ प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर के साथ सबसे तेज़ी से बढ़ते देशों में है। ऐसे परिदृश्य में उत्तर प्रदेश की भागीदारी इस क्षेत्र में निर्णायक सिद्ध हो सकती है। योगी ने कहा, "प्रस्तावित योजना को महान संत कबीर के नाम पर समर्पित किया जाएगा।" उन्होंने कहा, "संत कबीर ने अपने जीवन दर्शन में श्रम, सादगी और आत्मनिर्भरता को सर्वोपरि माना और यही भाव इस योजना का आधार बनेगा। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि इस योजना के माध्यम से निवेश, उत्पादन और रोजगार के नए अवसरों के साथ-साथ परंपरा और आधुनिकता का

संतुलन स्थापित होगा।"

इन राज्यों ने राष्ट्रीय परिधान मानचित्र पर दिलाया महत्वपूर्ण स्थान

बैठक में प्रस्तुत विवरण के अनुसार, वर्तमान में उत्तर प्रदेश देश के शीर्ष वस्त्र एवं परिधान निर्यातक राज्यों में शामिल है। वित्त वर्ष 2023-24 में प्रदेश से लगभग 3.5 अरब अमेरिकी डॉलर का निर्यात हुआ, जो देश के कुल वस्त्र एवं परिधान निर्यात का लगभग 9.6 प्रतिशत है। इस क्षेत्र का प्रदेश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 1.5 प्रतिशत योगदान है, जबकि राज्य में प्रत्यक्ष रोजगार पाने वाले लगभग 22 लाख लोग इससे जुड़े हैं। वाराणसी, मऊ, भदोही, मिर्जापुर, सीतापुर, बाराबंकी, गोरखपुर और मेरठ जैसे पारंपरिक संकुलों ने उत्तर प्रदेश को राष्ट्रीय परिधान मानचित्र पर महत्वपूर्ण स्थान दिलाया है। अधिकारियों ने बताया कि निवेश सारथी पोर्टल पर अब तक वस्त्र एवं परिधान क्षेत्र से जुड़े 659 प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

प्रत्येक पार्क न्यूनतम 50 एकड़ भूमि पर विकसित किया जाएगा

इन प्रस्तावों के लिए लगभग 1,642 एकड़ भूमि की आवश्यकता है। कुल निवेश मूल्य 15,431 करोड़ रुपये आंका गया है और इसके फलस्वरूप लगभग 1,01,768 रोजगार अवसर सृजित होने का अनुमान है। प्रत्येक पार्क न्यूनतम 50 एकड़ भूमि पर विकसित किया जाएगा और इनमें प्रसंस्करण उद्योगों के लिए कॉमन एफ्लूएंट ट्रीटमेंट प्लांट की स्थापना अनिवार्य होगी। साथ ही बटन, ज़िपर, लेबल, पैकेजिंग और वेयरहाउस जैसी सहायक इकाइयों के विकास की भी व्यवस्था की जाएगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि निवेश प्रस्तावों को शीघ्र गति से क्रियान्वित करने को भूमि की पहचान और विकास कार्य को तेज किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि संत कबीर वस्त्र एवं परिधान पार्क योजना न केवल निवेश और रोजगार के नए द्वार खोलेगी बल्कि उत्तर प्रदेश को वैश्विक वस्त्र एवं परिधान मानचित्र पर एक विशिष्ट पहचान भी दिलाएगी।

संक्षिप्त ख़बरें

भाभी कमल कौर हत्या+कांड से जुड़ी अहम खबर, पुलिस जांच में हुआ खुलासा

बठिंडा – बहुचर्चित इंटरनेट मीडिया इन्फ्लुएंसर कंचन कुमारी उर्फ भाभी कमल कौर हत्याकांड मामले में पुलिस ने आरोपित जसप्रीत सिंह व निमरतजीत के खिलाफ कोर्ट में चालान पेश कर दिया है। पुलिस जांच में सामने आया कि हत्या की साजिश अमृतपाल सिंह मेहरों ने रची थी, जो वारदात के बाद अमृतसर से दुबई भाग गया। उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस की कार्रवाई की तैयारी चल रही है। इसके अलावा रंजीत सिंह व एक अज्ञात शख्स को भी मामले में नामजद किया गया है। गौरतलब है कि 10 जून को कंचन कुमारी की लाश आदेश अस्पताल की पार्किंग में खड़ी कार से बरामद हुई थी। जांच में खुलासा हुआ कि जसप्रीत व निमरतजीत ने अमृतपाल सिंह मेहरों की योजना के तहत कमल कौर की हत्या की और लाश को कार में डालकर अस्पताल की पार्किंग में छोड़ फरार हो गए। फिलहाल अमृतपाल सिंह मेहरों व रंजीत सिंह की गिरफ्तारी बाकी है, जबकि जसप्रीत व निमरतजीत जेल में बंद हैं।

दुखद खबर - विदेश में हुए हादसे ने बुझा दिया घर का इकलौता चिराग

तरनतारन – दुखद समाचार मिला है कि तरनतारन जिले के गांव बनवालीपुर निवासी एक किसान के इकलौते बेटे की इंग्लैंड में सड़क हादसे में मौत हो गई है। यह युवक दो साल पहले ही रोजी-रोटी के लिए इंग्लैंड गया था। लोगों ने बताया कि करीब दो साल पहले ही परिवार ने अपने इकलौते 22 वर्षीय बेटे सुखमनप्रीत सिंह को इंग्लैंड भेजा था। चार दिन पहले ही सुखमनप्रीत ने अपने माता-पिता को फोन करके बताया था कि उसने पढ़ाई के साथ-साथ मॉल में काम करना शुरू कर दिया है और जल्द ही वह मेहनत करके इंग्लैंड भेजने के लिए लिया गया कर्ज चुका देगा। हालांकि, कल शाम जब सुखमनप्रीत सिंह अपने साथी के साथ ड्यूटी पर जा रहा था, तो कार का एक्सीडेंट हो गया, जिससे अस्पताल में इलाज के दौरान सुखमनप्रीत की मौत हो गई। जब परिवार को इस खबर का पता चला तो पूरा परिवार सदमे में आ गया और पूरे गांवव व इलाके में शोक का माहौल है। इस बीच सुखमनप्रीत सिंह का शव भारत लाने के प्रयास किए जा रहे हैं और उम्मीद है कि सुखमनप्रीत का शव जल्द ही भारत पहुंच जाएगा।

फिल्मों में रोल के बदले बनाए शारीरिक संबंध, रेप केस में बुरे फंसे एक और फेमस एक्टर

●युवती को दिया शादी का झांसा, दफ्तर-फार्म हाउस में किया दुष्कर्म

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गाजियाबाद – हरियाणवी फिल्म अभिनेता उत्तर कुमार को सोमवार को एक गायिका के साथ बलात्कार के आरोप में हिरासत में ले लिया गया। थोड़ी ही देर बाद 'तबीयत खराब 'होने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस उपायुक्त (ट्रांस-हिंडन क्षेत्र) निमिष पाटिल ने मीडिया को बताया कि 25 वर्षीय एक महिला गायिका ने 18 जुलाई को शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि कुमार ने एक जनवरी 2020 से 31 जुलाई 2023 तक शादी करने और फिल्म में काम दिलाने के बहाने उसका यौन शोषण किया। उन्होंने बताया कि शिकायत के आधार पर हरियाणवी अभिनेता के खिलाफ बलात्कार, आपराधिक धमकी के आरोपों और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के

प्रावधानों के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

तबीयत खराब होने पर कुमार को अस्पताल में कराया गया भर्ती

पाटिल ने बताया कि इस मामले में कुमार को हिरासत में ले लिया गया। हालांकि इसके कुछ ही देर बाद कुमार को 'तबीयत खराब' होने पर एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों द्वारा उनकी फिटनेस रिपोर्ट जारी किये जाने के बाद उन्हें फिर से हिरासत में लिया जाएगा। कुमार के खिलाफ दर्ज मुकदमे के मुताबिक कुमार ने कथित तौर पर पीड़िता को गाजियाबाद स्थित अपने कार्यालय और अमरोहा जिले के फार्महाउस पर बुलाया और उस पर शराब पीने और फिल्म निर्माताओं से मिलने का दबाव डाला। मुकदमे में आरोप लगाया गया है कि कुमार ने गायिका से शारीरिक सम्बन्ध बनाने की कोशिश की। इसका विरोध करने पर उन्होंने कथित तौर पर उससे शादी का वादा किया।

निजी तस्वीरें-वीडियो सोशल मीडिया पर किए वायरल

शिकायतकर्ता ने दावा किया कि कुमार ने उसका भावनात्मक और शारीरिक शोषण जारी रखा, लेकिन बाद में उससे शादी करने से इनकार कर दिया। पाटिल ने बताया कि गायिका का आरोप है कि कुमार ने उसे हरियाणवी फिल्म उद्योग में ब्लैकलिस्ट कराने की धमकी दी, जाति-सूचक टिप्पणियों के साथ उसके साथ दुर्व्यवहार किया और उसकी निजी तस्वीरें और वीडियो उसकी सहमति के बिना सोशल मीडिया पर वायरल कर दिये। उन्होंने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

महाराजा सुहेलदेव को लेकर AIMIM प्रवक्ता ने दिया विवादित बयान, भड़के राजभर ... कर दिया बड़ा ऐलान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ- AIMIM के प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली ने महाराजा सुहेलदेव राजभर को लेकर विवादित बयान दिया है। दरअसल, एक बयान में उन्होंने महाराजा सुहेलदेव राजभर को लुटेरा बता दिया है। इसे लेकर अब सियासत तेज हो गई है। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता पीयूष मिश्रा ने इसे लेकर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि शौकत अली जैसे जाहिल को अगर कोई वीर योद्धा जूता मरता है तो उसे - 51111 रुपये उपहार प्रदान किया जाएगा। उन्होंने शौकत अली पर तंज कसते हुए कहा कि चक्रवर्ती सम्राट महाराजा सुहेलदेव राजभर जी को "लुटेरा" कहना न केवल इतिहास की घोर अवहेलना है, बल्कि करोड़ों भारतीयों की आस्था और सम्मान पर खुला प्रहार है। पीयूष मिश्रा ने

कहा कि महाराजा सुहेलदेव राजभर जी वह युगपुरुष हैं जिन्होंने 1034 ईस्वी में विदेशी आक्रांता ग़ाज़ी सैय्यद सालार मसूद को परास्त कर भारत की संस्कृति, सभ्यता और सनातन परंपरा की रक्षा की। वे स्वतंत्रता, स्वाभिमान और राष्ट्ररक्षा के अमर प्रतीक हैं।

उन्होंने कहा कि शौकत अली का यह बयान साबित करता है कि AIMIM जैसी पार्टियां आज भी गुलाम मानसिकता से ग्रस्त हैं। एक आक्रांता को महिमामंडित करना और राष्ट्रनायक को अपमानित करना, उनकी दूषित सोच और भारत विरोधी प्रवृत्ति का प्रमाण है। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी का राष्ट्रीय प्रवक्ता होने के नाते साफ कहना चाहता हूं कि कोई भी शक्ति महाराजा सुहेलदेव राजभर जी के यश, सम्मान और त्याग को कलंकित नहीं कर सकती। शौकत अली जैसे विक्षिप्त नेता, इतिहास में केवल गद्दार मानसिकता के प्रतीक के रूप में याद किए जाएंगे। उन्होंने सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगी, तो हम व पार्टी लोकतांत्रिक तरीके से उनका ऐसा राजनीतिक बहिष्कार करेंगी कि वे समाज में मुंह दिखाने लायक नहीं रहेंगे। महाराजा सुहेलदेव राजभर जी पूर्वांचल ही नहीं, पूरे भारत के गौरव और राष्ट्र की आत्मा हैं। उनका अपमान, भारत माता का अपमान है, जिसे यह देश कभी बर्दाश्त नहीं करेगा।

मानव धर्म की अवहेलना का ही यह प्रभाव है कि आज मानवता सिसक रही है

जीवन समस्या और संघर्ष का केन्द्र रहा है। डार्बिन ने ठीक ही लिखा था कि जो संघर्ष में विजयी रहता है, वही जीवित रह पाता है। जितना संघर्ष और समस्याएँ इस भौतिकवादी युग को झेलनी पड़ रही हैं, उतनी शायद पहले कभी नहीं रही होंगी। आज राष्ट्र विकसित हो या विकासशील, समस्याएँ तो सभी जगह है। जहाँ समस्याएँ है, वहाँ संघर्ष भी अवश्यंभावी होगा। समस्याएँ आवश्यकताओं के साथ जुड़ी हुई हैं। भारत की स्थिति तो हम जान ही रहे हैं कि यह विभिन्न धर्म-संस्कृतियों का केन्द्र है। यहाँ पर धर्म के साथ-साथ भाषा, जाति एवं सम्प्रदायों की समस्या है जोकि मानव ने स्वयं ही पैदा की हैं। इन समस्याओं के साथ-साथ प्राकृतिक समस्याओं के कष्ट भी इस देश की जनता झेल रही है। यहाँ यदि पूर्व का भाग बाढ़ से पीड़ित है तो वहीं पश्चिम सूखे की चपेट में है।हिमाचल प्रदेश,उत्तरकाशी,जम्मू कश्मीर आदि क्षेत्रो में बादल फटने और भूस्खलन की घटनाएं मानवीय जीवन को संकट में डाल दिया।सैकड़ो लोग अकाल मृत्यु के आगोश में समा गई।होनी को कौन टाल सकता है। आज भारत में लोकतंत्र है। 78 वर्ष पहले के भारत में और आज के भारत में जमीन-आसमान का अन्तर हो गया है। देश में सैकड़ों दल बन चुके हैं। सभी दल जनता के भले की बात कहते हैं। कथनी और करनी के भेद ने ही भारत को समस्याओं का केन्द्र बना दिया है। व्यक्तिगत स्वार्थ ने इस दलगत राजनीति को इतना बल दिया कि देश आज भयंकर दलदल में फैंस चुका है। देश में कहीं भी शांति नहीं है। आज शान्ति के लिए विश्व के राजनेता आपस में मुलाकात करते हैं। गोष्ठियाँ होती हैं, मगर शान्ति का स्वर दिनोंदिन मंद पड़ता जा रहा है। विचार कीजिए। जिस बात का श्रीगणेश ही संघर्ष से ही, वहाँ भला शांति कैसे हो सकती है? आज भाई, भाई को पड़ोसी, पड़ोसी को और राष्ट्र अन्य राष्ट्र को शंका की दृष्टि से देख रहे हैं। एक-दूसरे के प्रति विश्वास खो चुका है। साध्य हमारा शान्ति का है, मंगर साधन सभी अशान्ति के उत्पन्न किए जा रहे हैं। एक देश दूसरे देश की उन्नति में बाधाएँ खड़ी कर रहा है। हत्या और आतंक के साये में कोई शान्ति स्थापित नहीं हो सकती। एक-दूसरे पर बल प्रयोग आज सामान्य बात हो चुकी है। हिंसक गतिविधियों का बाजार गरम है। दूसरों का लहू बहाने वालों को यह नहीं भूलना चाहिए कि लहू के छींटे उसके कपड़ों पर भी गिरते हैं। विश्व शान्ति के मूल मार्ग से भटका हुआ यह युग शान्ति के लक्ष्य तक कैसे पहुँच पायेगा ? शान्तिप्रद जीवन जीना है तो महावीर का मार्ग ही चुनना होगा। अहिंसा, प्रेम और करुणा को जीवन का उद्देश्य बनाना होगा। जब तक प्रत्येक राष्ट्र का नागरिक अहिंसा को नहीं समझ लेता, शान्ति के लिए किये गये सभी प्रयास थोथे सिद्ध होंगे। भारतभूमि तो अहिंसा की भूमि है। आज हम यहाँ शान्तिपूर्वक, निर्भय होकर धर्म-लाभ ले रहे है, इसका कारण यहाँ का अहिंसामय वातावरण ही है। यहाँ किसी को भी किसी से भय नहीं है, क्योंकि अभय की स्थिति में ही शांति की प्रस्थापना हो सकती है। ग्राम या शहर के एक भाग में लगी हुई आग को दूसरे भाग के लोग देखकर तत्काल उसे बुझाने को तत्पर हो उठते हैं। वे जानते हैं कि यदि इसमें प्रमाद हुआ तो अगले ही पल ये लपटें हमारे घरों को भी भस्मीभूत कर देंगी। प्रथम और द्वितीय विश्वयुद्ध के कड़वे घूँट बीसवीं सदी पी चुकी है। क्या यह विष अगली सदी को भी पीना पड़ेगा ? युद्ध कोई नहीं चाहता, क्योंकि उसका अन्त दोनों ही पक्षों की बरबादी का कारण बनता है। पश्चिमी देशों में छिड़े युद्ध से वो परेशान है,लेकिन उसका विपरीत प्रभाव भारत पर तो पड़ रहा है।माल का आयात और निर्यात दोनो घटक प्रभावित हो रहे है।आर्थिक संकट बढ़ गया है।जरा विचार करें, हमारे घर-परिवार में कोई व्यक्ति अस्वस्थ हो जाता है तो हम चिन्तित हो उठते हैं। उस समय आप चाहे दुकान पर हों या कार्यालय, बस में हों या हवाई जहाज में, आपका मन उद्विग्न हो उठता है। देश को नेतृत्व देने वालों को तो पूरे राष्ट्र पर निगाहें रखनी पड़ती हैं। हम से ही प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, सेनाध्यक्ष बनते हैं। हम से ही संत, ऋषि-मुनि बनते हैं। डॉक्टर, इंजीनियर बनते हैं। तब देश की समस्याएँ हमारे लिए व्यक्तिगत हो जाती हैं, जबकि हमारा चिन्तन व्यक्तिगत न होकर सार्वजनीन बन जाता है। हमने सार्वजनीन चिन्तन का त्याग कर दिया है। क्षुद्र स्वार्थों ने हमें बाँध दिया है। मानव-धर्म की अवहेलना का ही यह प्रभाव है कि आज मानवता सिसक रही है। आज आपसी विश्वास में कमी आ गई है। भारत में सम्राट् चन्द्रगुप्त के समय लोग अपने घरों पर ताले नहीं लगाते थे। आज तो घरों में देखो कमरे तीन हैं मगर ताले आठ मिल जायेंगे। कमरे के अन्दर ताला है, बाहर ताला है। ऐसा क्यों? परिवार में एक-दूसरे का विश्वास उठ गया है। पश्चिमी राष्ट्रों में स्थिति कुछ अलग हो गई है।बेल्जियम में अखबार बेचने के लिए कोई बैठा नहीं रहता। अखबार वाला अखबार और डिब्बा पास-पास रखकर अपने काम पर चला जाता है। शाम को लौटते हुए डिब्बा और शेष बचे अखबार ले जाता है। उसके हिसाब में कोई त्रुटि नहीं होती।

सहारनपुर के एक विद्यालय में यही प्रयोग किया गया। प्रयोग से पूर्व बालकों में नैतिक शिक्षा को आचरण में ढालने की बात कही गई। उसके पश्चात् विद्यालय के एक कक्ष में पुस्तकें, पैन, कापियाँ मूल्य सूची लगा दी गई। एक सप्ताह बाद जाँच की गई तो सब कुछ सही पाया गया। क्या यह शिक्षा हम देश के प्रत्येक नागरिक को नहीं दे सकते ? क्या उनमें विश्वास नहीं जगा सकते ? आज हर ओर अविश्वास का वातावरण है। इसे हटाने की आवश्यकता है। याद रखिए, विश्वास पर ही दुनियाँ कायम है। वर्तमान युग की दुर्दशा पर किसी चार लाइन याद आ गई। बेटे को अपने बाप पर विश्वास नहीं है। नास्तिक को प्रभु के जाप पर विश्वास नहीं है। होता है मुझे आश्चर्य इस बात पर कि-आदमी को अपने आप पर विश्वास नहीं है। विश्वास तो जगाना ही होगा। पहले अपने आप में विश्वास पैदा करें, अर्थात् यह आत्म-विश्वास जगायें कि हम जो चाहेंगे, उसे करके दिखा देंगे। अपना सोच सदैव सकारात्मक रखना है। नई पीढ़ी में अच्छे संस्कार पैदा करने हैं। अच्छे कार्य के लिए संकल्प के साथ जुटने की जरूरत है। मनुष्य मन में अच्छे भाव जगायेगा तो उसे हर ओर प्रशंसा ही मिलेगी। महिला का कंगन कहीं गिर गया। वह कंगन एक जमादारिन को मिला। कंगन का मूल्य वह देखते ही जान गई। वह सोचने लगी कि इसके मिलने पर जो खुशी मुझे हो रही है, इसके विपरीत जिसका कंगन खोया है, वह कितनी उदास हो रही होगी। उसने तत्काल पता लगाकर कंगन को उसके मालिक के पास पहुँचा दिया। कंगन को पाकर उसकी हकदार को अत्यन्त प्रसन्नता हुई। उसने महिला को पारितोषिक देना चाहा, मगर वह बोली- "बहन जी, मुझमें दया. अहिंसा, ईमानदारी एवं कर्त्तव्यनिष्ठा की भावना है। फिर कर्त्तव्य-पालन के लिए पारितोषिक कैसा?"उसकी गुरु-भक्ति एवं शुभ भावना को देखकर सभी का हृदय गद्गद हो उठा। संसार में अभी सचाई और ईमानदारी जीवित है। बीज जब तक है, वृक्ष की परम्परा नष्ट नहीं होती। हमें इस बीज को नष्ट होने से बचाना है। प्रत्येक मानव में सचाई, ईमानदारी, अहिंसा के प्रति विश्वास जागृत करना है। सभी को यह बताना है कि यदि शान्ति का साम्राज्य लाना है तो अपने कर्त्तव्यों के प्रति जागृत रहकर एक-दूसरे के प्रति विश्वास को बनाये रखें। लोग विश्वास पर अपना पूरा जीवन व्यतीत कर देते हैं। देश के नेता आश्वासन देकर लोगों का विश्वास प्राप्त कर लेते हैं। चुनाव जीत जाते हैं। उसके पश्चात् जो स्थिति बनती है, वह किसी से छिपी नहीं है।

आज के नेताओं ने जनता के विश्वास को तोड़ा है। इसीलिए 'नेता' शब्द अपने आप में अविश्वास और घृणा का प्रतीक बन गया है। यह 'नेता' शब्द मात्र सुभाषचन्द्र बोस के साथ जुड़कर ही शोभित होता है मानो उनके बाद कोई नेता हुआ ही नहीं। अब ऐसा नहीं होने देंगे। किसी के जीवन के साथ घिनौना खिलवाड़ नहीं होने देंगे। ऐसा संकल्प ही विश्वसनीय जीवन की आधारशिला है।

कांतिलाल मांडोत

सियासत और वंशवाद- लोकतंत्र की चुनौती

योग्यता या वंश? भारतीय राजनीति का अनुत्तरित प्रश्न

वंशवाद की राजनीति- संभावनाओं का गला घोंटता तंत्र

भारतीय राजनीति में वंशवाद इतना गहरा रच-बस गया है कि यह अब लोकतंत्र के मूल स्वरूप को चुनौती देता है। यह न केवल सत्ता हस्तांतरण की कहानी है, बल्कि उस सामाजिक-सांस्कृतिक मानसिकता को उजागर करता है जो इसे पोषित करती है। भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में, जहां हर नागरिक को समान अवसर का संवैधानिक हक है, वंशवाद का प्रभुत्व लोकतंत्र की आत्मा पर गहरा घाव छोड़ता है। यह नेतृत्व की गुणवत्ता को कमजोर करता है और गैर-राजनीतिक पृष्ठभूमि से आने वाले सक्षम व्यक्तियों को हाशिए पर धकेल देता है। सवाल उठता है- क्या वंशवाद महज एक सामाजिक कुरीति है, या यह उस जटिल सामाजिक ताने-बाने का हिस्सा है जिसे हमने सहेजा है? भारतीय सियासत में वंशवाद का प्रभाव इतना व्यापक है कि इसे सामान्य मान लिया गया है। राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों में नेतृत्व का बड़ा हिस्सा उन परिवारों के पास है जिनका सियासत में दशकों का वर्चस्व रहा है। यह संयोग नहीं कि एक ही परिवार की कई पीढ़ियां सत्ता के शीर्ष पर काबिज हैं। इसकी जड़ें भारत की सामंती और परंपरागत संरचना में हैं, जहां वंश और खानदान को सर्वोपरि माना जाता है। जनता परिचित चेहरों को सत्ता में देखना चाहती है, यह मानते हुए कि अगर एक व्यक्ति ने सियासत में नाम कमाया, तो उसका वारिस भी वही रास्ता अपनाएगा। लेकिन क्या यह विश्वास तर्कसंगत है, या यह सामाजिक भ्रम है जो नई संभावनाओं को रोकता है? वंशवाद का सबसे घातक पहलू यह है कि यह योग्यता और क्षमता को कुचल देता है। जब सत्ता किसी परिवार के भीतर कैद रहती है, नए विचार, ऊर्जा और दृष्टि दम तोड़ देते हैं। गैर-राजनीतिक पृष्ठभूमि से आने वाला मेहनती और सक्षम व्यक्ति सियासत के अभेद्य किले को भेदने में असफल रहता है।

यह व्यक्तिगत अन्याय के साथ-साथ राष्ट्र के लिए क्षति है, जो भविष्य की संभावनाओं को जकड़ लेती है। लोकतंत्र, जो हर नागरिक को अपनी प्रतिभा साबित करने का हक देता है, वहां वंशवाद योग्यता और महत्वाकांक्षा के बीच खाई खोद देता है। हालांकि, वंशवाद को केवल अभिशाप कहना सत्य का सरलीकरण होगा। राजनीतिक परिवारों से उभरने वाले व्यक्ति अपनी सियासी विरासत और अनुभव का लाभ उठाकर प्रभावी नेतृत्व दे सकते हैं। उनके पास मजबूत नेटवर्क, जनता के बीच पहचान और सियासत का गहरा ज्ञान होता है। यह "जन्मजात लाभ" उन्हें तेजी से सत्ता के शिखर तक पहुंचाता है। लेकिन क्या यह लाभ लोकतंत्र के अनुरूप है? क्या केवल खास परिवार में जन्म लेने से किसी को सियासत का अवसर मिलना चाहिए, जबकि अधिक योग्य व्यक्ति पीछे रह जाएं? यह प्रश्न समाज की उस मानसिकता को चुनौती देता है जो वंश को योग्यता से ऊपर रखती है। वंशवाद की जड़ें भारत की सामाजिक-सांस्कृतिक संरचना में गहरी हैं। यहां परिवार और वंश को सम्मान की नजर से देखा जाता है। चाहे व्यापार, कला या सियासत, लोग उसी पर भरोसा करते हैं जिसका खानदान उस क्षेत्र में रुतबा रखता हो। यह विश्वास सदियों पुरानी परंपराओं की देन है, जो समाज की रगों में समाई है। मगर यह विश्वास कई बार अंधविश्वास बन जाता है, जो तर्क को धुंधला देता है। लोग भूल जाते हैं कि हर पीढ़ी की अपनी क्षमता होती है, और एक सफल नेता का वारिस जरूरी नहीं कि उतना ही काबिल हो। फिर भी, जनता और दल इस भ्रामक विश्वास में वंशवादी नेताओं को सत्ता सौंपते हैं, जैसे योग्यता से ज्यादा वंश का नाम मायने रखता हो। वंशवाद का विनाशकारी प्रभाव राजनीतिक दलों की आंतरिक लोकतांत्रिक आत्मा पर पड़ता है। कई दलों में नेतृत्व का चयन पारदर्शी या लोकतांत्रिक नहीं रह गया; यह परिवार के इर्द-गिर्द सिमटकर बंद कमरे की सौदेबाजी बन गया है। इससे कार्यकर्ताओं का जोश ठंडा पड़ता है और सत्ता मुट्ठीभर लोगों के हाथों में सिमट जाती है। संगठन परिवार की कठपुतली बन जाता है, और नई प्रतिभाएं उभरने से पहले दम तोड़ देती हैं। यह स्थिति तब और गंभीर हो जाती है जब कार्यकर्ता इस अन्यायपूर्ण व्यवस्था को चुपचाप स्वीकार कर लेते हैं। यह दलों की गतिशीलता को ठप करता है और लोकतंत्र की समानता की नींव को कमजोर करता है। वंशवाद जनमानस की सोच को जकड़ लेता है। जब लोग बार-बार उसी परिवार के नेताओं को चुनते हैं, वे नए चेहरों, ताजा विचारों और क्रांतिकारी दृष्टिकोण से कतराने लगते हैं। यह सामाजिक ठहराव परिवर्तन की धारा को रोक देता है। भारत जैसे युवा देश में, जहां आबादी का बड़ा हिस्सा ऊर्जावान है, नेतृत्व में नई पीढ़ी की आवाज जरूरी है। मगर वंशवाद इस संभावना को कुचल देता है, क्योंकि सत्ता का मार्ग कुछ परिवारों के लिए पहले से तय होता है। यह लोकतंत्र की गतिशीलता को बाधित करता है और समाज को नवीनता से वंचित करता है। वंशवाद का यह जहर केवल आलोचना से नहीं मिटेगा। इसके लिए सामाजिक जागरूकता, राजनीतिक सुधार और संस्थागत परिवर्तन चाहिए। दलों को अपनी प्रक्रियाओं को लोकतांत्रिक बनाना होगा ताकि योग्यता और मेहनत सर्वोपरि हों। जनता को यह समझाना होगा कि नेतृत्व का चयन वंश के आधार पर नहीं, बल्कि क्षमता, दृष्टि और समर्पण पर होना चाहिए। शिक्षा और जागरूकता ही वह रोशनी है जो वंश को प्रतिभा से ऊपर रखने वाली मानसिकता को तोड़ेगी। यह रास्ता एक समावेशी और जीवंत लोकतंत्र की ओर ले जाएगा, जहां हर सपने को उड़ान और हर योग्यता को मंच मिले। वंशवाद भारतीय सियासत का जटिल यथार्थ है। यह न तो पूरी तरह अंधकारमय है, न ही स्वर्णिम; यह सामाजिक-सांस्कृतिक जड़ों से पोषित एक चुनौती है। इसे समझने के लिए हमें इसकी कमियों पर उंगली उठाने से आगे बढ़ना होगा। यदि भारत को सच्चा लोकतंत्र बनाना है, तो वंशवाद के चक्रव्यूह को भेदना होगा। यह तभी संभव है जब हम वंश की चकाचौंध छोड़कर योग्यता को गले लगाएं और हर व्यक्ति को अपनी प्रतिभा साबित करने का समान मंच दें। यह यात्रा कठिन है, पर दृढ़ संकल्प के साथ हम एक ऐसा लोकतंत्र रच सकते हैं जो हर नागरिक की आकांक्षाओं को साकार करे।

प्रो. आरके जैन

परिवारवाद लोकतंत्र के लिए घातक

लोहियावादी समाजवादी लोग परिवारवाद के खिलाफ संघर्ष करते रहे है।समजवादी नेता डॉ राममनोहर लोहिया ताउम्र परिवारवाद के खिलाफ मुखर रहे और उनके परिवारवाद के विरुद्ध छेड़े गए अभियान की अभी भी कांग्रेस के लिए भूले नही है।परिवारवाद लोकतंत्र की भावना के प्रतिकूल है।वंशवाद की राजनीति में देश प्रेम में कमी आती है जबकि परिवार के लिए कुछ करने के लिए मोह पैदा होता है।देश मे आज भी कई दल है जो वंशवाद की राजनीति कर रहे है।यह देश की विडंबना है कि भारत जैसे विशाल देश मे ऐसे दलों को प्रोत्साहन देते है बल्कि ऐसे दलों के लोगो का बहिष्कार करना चाहिए।मोदीं ने शुरुआती दौर में ही अलग तरह से वंशवाद रोकने की कवायद शुरू की गई। भाजपा में नेता आरएसएस की पढ़ाई कर राजनीति में प्रवेश किया है।इस संगठन में ज्यादातर संघ के सदस्य अविवाहित होते है।इनको देशप्रेम और देशभक्ति ही शिक्षा दी जाती है।इसलिए इनके परिवार से कोई औचित्य नही रहता है।लोकतंत्र व्यक्ति को उसकी योग्यता के अनुसार अवसर देने की व्यवस्था है।जबकि परिवारवाद सामंतवाद है।इसमें योग्यता और योग्यता के लिए केवल सत्ताधारी दल या नेता ही नही बल्कि कुछ अर्थो में वे मतदाता और राजनैतिक कार्यकर्ता भी गुनहगार है जो परिवारवाद की सत्ता कायम रखते है।परिवार वाद एक रूप से दलीय लोकतंत्र को समाप्त करता है।तथा कार्यकर्ता भी बंधुआ मजदूर की तरह बना रहता है।भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के बाद प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, प्रधानमंत्री राजीव गांधी ,सोनिया,प्रियंका वाड्रा और राहुल गांधी का यह परिवारवादचला आ रहा है। मुलायमसी सिंह यादव के कई रिस्तेदार राजनीति में है।समाजवादी नेता अखिलेश जैसे नेता राजनीति में भारभूत की तरह है,जिससे राज्य की बागडोर इनके हाथ मे रही और उत्तरप्रदेश को गुंडई राज्य में तब्दील कर दिया।लालू प्रसाद जेसे नौटंकी बाज नेता ने वंशवाद की राजनीति ही की है।लालू जेल में रहते अनपढ़ धर्मपत्नी राबड़ी को राज्य की मुख्यमंत्री बना दिया।तेजस्वी परिवारवाद चला रहे है।नेता और नेता का परिवार सत्ता और सम्पनता पर एकाधिकार कायम कर लेता है।सत्ता के सहारे व्यक्ति धन का संचय करते है।उनका केन्द्रीयकरण करते है।वंशवादी नेताओ के पास अकूत धन है।क्या इनके पास कोई उधोग है ,जो इतनी आय पैदा होती है?यह धन राजनीति से ही अर्जित करते है।मोदी को पूछा गया कि हर कोई नेता अपने परिवार के लिए धन संचय कर रहा है।सभी अपने परिवार के सदस्यों के लिए धन एकत्रित करने में लगे है।मोदी के पास आगे पीछे कोई नही है,तब इतनी मेहनत किस लिए की जाती है।मोदी ने जवाब दिया कि वो जो कर रहे है वो मैं भी कर रहा हूं।वो अपने परिवार के लिए कर रहे है।जबकि मैं भी अपने परिवार के लिए ही कर रहा हूँ।फर्क इतना है कि उनके परिवार में छह सात व्यक्ति है,जबकि मेरे परिवार में 140 करोड़ सदस्य है।मैं उनके लिए करता हूं।यह होती है देशभक्ति और देश सेवा।उनकी योग्यता, आत्मा और योग्यता को स्थाई रूप से मार देते है।उन्हें भ्रष्टाचार का अनन्त सहयोगी बना देते है।कांग्रेस के एक नेता का कहना था कि परिवारवाद भारत का सांस्कृतिक हिस्सा है।

इतना ही नही उन्होंने यह भी कहा था कि सभी क्षेत्रों में परिवार की विरासत होती है तो राजनीति में क्यो नही?देश मे पक्ष विपक्ष की नकारात्मक राजनीति ने सार्थक बहस,संवाद और कर्म के अवसर धूमिल कर दिये है।राजनीति में वंशवादी नेता परिवार के स्वार्थ में उलझे होते है।बिहार में विधानसभा चुनाव है।बिहार में 27 प्रतिशत विधायक और सांसद परिवारवाद की राजनीति को आगे बढ़ा रहे है।यह एक बिहार की बात नही है।देश के अन्य राज्य भी अछूते नही है।परिवारवाद लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए अभिशाप है।बिहार में 360 विधायकों -सांसदों में 96 किसी न किसी राजनैतिक दल से है। वंशवाद सीटों की विरासत नही,परिवारवाद भारतीय राजनीति का ढांचा बन गया है।पार्टियां पहले उन्ही राजनेता को तहजिह देती है जिनके पास धनबल,बाहुबल और संगठन शक्ति का पावर है।देश मे कुल 5,204 विधायको -सांसदो में 1,107 नेता वंशवादी पृष्ठभूमि से है ।रास्ट्रीय स्तर पर कुल महिला सांसद और विधायकों में 47 प्रतिशत राजनैतिक परिवार से है।यह बीज कांग्रेस ने बोया था, जो अब वट वृक्ष बन गया है।मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद उनके परिवार से कोई राजनीति की दहलीज नही लांघी है।भाजपा को पूरी तरह वंशवाद को समाप्त कर दिया है।यह हम नही कह रहे है लेकिन गिनेचुने केस में वंशवाद की लहर है ।

क्योंकि यह परिवार के हक में नही है।कांग्रेस का परिवार शीर्ष पर है।क्योंकि ये परिवार पद को अपनी अस्मिता मानते है।इनके लिए योग्यता का पद है।संघ के कार्यकर्ता परिवारवाद की परंपरा का हामी नही है।सत्ता पाने या सत्ता हथियाने की इच्छा तो है,परंतु सत्ता संगठन समूह की है।अभी तक पूरी तरह से परिवारवाद नजर नही आ रहा है।राजनीतिक दलों के समक्ष एक चुनौती है।इसमें कई नेता दुःखी भी है।वंशवाद की राजनीति में बदलाव आता है तो सचमुच राजनीति में बदलाव आएगा।लेकिन कांग्रेस और अन्य दल विरासत की तरह राजनीति में अपना प्रभुत्व स्थापितं कर रहे है।यह लोकतंत्र के लिए घातक ही नही है।यह विनाशकारी भी है।

कांतिलाल मांडोत

संपादकीय

देश का राजनीतिक,आर्थिक और सामाजिक पुनर्जागरण

1947 में भारत एवं पाकिस्तान ने एक साथ स्वतंत्रता की प्राप्ति की थी किंतु पाकिस्तान एक मुस्लिम राष्ट्र की अवधारणा धारण कर अलग दिशा में आगे बढ़ता गया जिसके फल स्वरुप आज पाकिस्तान विपन्न और गरीब देश बन गया है। दूसरी तरफ भारत एक लोकतांत्रिक, जनतांत्रिक अवधारणा की दिशा में नई-नई विकास के सोपनो को प्रतिपादित कर आगे बढ़ता गया। भारत वैश्विक स्तर पर सामरिक आर्थिक एवं अन्य विषयों पर काफी हद तक प्रगति प्राप्त कर चुका है।भारत ने आश्चर्यजनक रूप से देश को विकसित मजबूत एवं सशक्त बना दिया है । भारतीय परिदृश्य और संदर्भ में भारत में विगत एक दशक में व्यापक तथा आमूल चूल परिवर्तन देखे गये हैं। राजनीतिक परिदृश्य में उत्तरदायित्व आधारित शासन प्रशासन-प्रणाली, सांस्कृतिक विमर्श में सनातनी सांस्कृतिक सभ्यता-गौरव की पुनर्प्राप्ति और आर्थिक नीतियों के संरचनात्मक सुधारों ने देश की दिशा और दशा तय की है।

इन नई विचारधारा एवं रणनीति ने भारत को न केवल आंतरिक रूप से सशक्त किया बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी एक निर्णायक शक्ति के रूप में स्थापित किया। भारतीय राजनीति में पिछले दो दशकों का सबसे बड़ा परिवर्तन रिपोर्ट कार्ड राजनीति का उदय रहा, जिसमें आम जनता और राजनीतिक नेताओं और दलों का मूल्यांकन उनके किए गए कार्यों और परिणामों के आधार पर कसौटी पर कसा जाने लगा है । संवैधानिक और नीतिगत स्तर पर कई ऐतिहासिक कदम उठाए गए। 2019 में अनुच्छेद 370 का निरसन और जम्मू-कश्मीर का पुनर्गठन केंद्र की सख्त और मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति तथा विचारधारा का प्रतीक बना। तीन तलाक कानून ने मुस्लिम महिलाओं को न्याय दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम रखा। वहीं नागरिकता संशोधन अधिनियम ने राष्ट्रीयता और शरणार्थी नीति पर नई विचारों की श्रृंखला को जन्म दिया। भारत की परंपरागत लोकतांत्रिक विरासत को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के लिए नया संसद भवन, ई-संसद और डिजिटलीकरण जैसे महत्वपूर्ण कार्य को शामिल किया गया है। दूसरी तरफ विपक्ष की भूमिका, मीडिया की स्वतंत्रता और चुनावी राजनीति में सोशल मीडिया तथा धनबल के प्रभाव ने लोकतांत्रिक विमर्श को चुनौतीपूर्ण और प्रभावशाली भी बनाया गया है। नये भारत की संकल्पना और अवधारणा को केवल राजनीति या अर्थव्यवस्था तक सीमित परिसीमित नहीं रखा गया है बल्कि सांस्कृतिक क्षेत्र के व्यापक फलक पर भी इसका गहरा असर और परिणाम परिलक्षित हुए हैं । भारत की महान अर्वाचीन योग और आयुर्वेद जैसी परंपरा को वैश्विक स्तर प्रचारित प्रसारित कर नई अवधारणा तथा पहचान प्रदान की गई है। अयोध्या में राममंदिर निर्माण ने भारतीय परंपरा और धार्मिक-सांस्कृतिक आकांक्षाओं की विशाल अवधारणा को मूर्त रूप दिया गया है। शिक्षा और पाठ्यपुस्तकों में भारतीय आख्यानों और इतिहास को नवीन स्वरूप देने के प्रयास किए गए हैं। हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं को पुष्पित पल्लवित करने के प्रयासों को संपूर्ण प्रोत्साहन दिया गया। साथ ही, सांस्कृतिक कूटनीति नवीन अवधारणा के माध्यम से भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी पहचान और अधिक सुदृढ़ रूप से विस्तारित की है। हालाँकि, इस सांस्कृतिक पुनर्जागरण के साथ अनेक कठिन एवं दुष्कर चुनौतियाँ भी रहीं हैं। बहुलतावाद और अल्पसंख्यक अधिकारों पर उठते सवाल तथा परंपरा बनाम आधुनिकता की खींचतान समाज में गूढ विचार विमर्श का विषय बनी रही। आर्थिक पुनर्जागरण के संदर्भ में यही कहा जा सकता है कि भारत की अर्थव्यवस्था ने इस दशक में उल्लेखनीय और अभूतपूर्व प्रगति प्राप्त की है ।

मेक इन इंडिया ने विनिर्माण और रक्षा उत्पादन को बढ़ावा दिया। जीएसटी (2017) ने कर संरचना को एकीकृत और पारदर्शी बनाया। जीएसटी को 2025 में 22 सितंबर से नवीन संशोधन कर एकदम सरल एवं स्पष्ट कर काफी हद तक सस्ता करके आम जन को बड़ी राहत पहुंचाई है। डिजिटल इंडिया, जनधन योजना और UPI ने वित्तीय समावेशन और नकदी रहित लेन-देन की दिशा में क्रांतिकारी बदलाव लाए। स्टार्टअप इंडिया ने उद्यमिता और नवाचार को प्रोत्साहित किया। इसके परिणामस्वरूप भारत आज विश्व की पाँचवीं सबसे बड़ी सशक्त अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है। विदेशी निवेश वृद्धि, रेलवे और सड़क निर्माण में गति तथा बिजली और डिजिटल नेटवर्क का विस्तार इस आर्थिक पुनर्जागरण के प्रमुख संकेतक रहे।इसके बावजूद बेरोजगारी की समस्या, ग्रामीण-शहरी असमानता और आय-विभाजन जैसी बड़ी और गंभीर चुनौतियाँ भारत देश के आर्थिक परिदृश्य को संतुलित होने से रोकती रही हैं। कृषि सुधार अभी तक आधे अधूरे रह गए और हरियाणा पंजाब तथा अन्य प्रदेशों में किसान आंदोलनों ने यह यह साफ तथा स्पष्ट संकेत दिया कि विकास की अवधारणा सबके लिए समान रूप से सुलभ नहीं है। अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य- भारत ने पिछले दशक में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी नई पहचान बनाई ग्लोबल साउथ के नेता के रूप में भारत की भूमिका स्पष्ट हुई। 2023 में आयोजित G20 सम्मेलनों में भारत ने वैश्विक मुद्दों पर संतुलित और निर्णायक नेतृत्व प्रस्तुत किया। चीन में हुए शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में 10 महत्वपूर्ण देशों के साथ 27 देशों ने भारत चीन और रूस पर अपना विश्वास जाहिर कर यूरोपीय शक्तियों एवं मनमानी का खुला विरोध किया है, जिसमें भारत पर अमेरिका द्वारा 50% लगाए गए टैरिफ का भी खुला विरोध हुआ है। रूस, चीन और पड़ोसी देशों के साथ संतुलित कूटनीतिक संबंधों ने भारत की स्थिति को और सशक्त मजबूत किया।पिछले दस वर्षों का भारत राजनीतिक दृढ़ता, सांस्कृतिक आत्मगौरव और आर्थिक नवाचारों से परिपूर्ण रहा है। यह अवधि भारतीय लोकतंत्र को नई परिभाषा देने, सांस्कृतिक मूल्यों को पुनर्जीवित करने और आर्थिक संरचना को मज़बूत करने में महत्वपूर्ण रही। हालाँकि असमानता, बेरोजगारी और राजनीतिक ध्रुवीकरण जैसी विकराल चुनौतियाँ अब भी बनी हुई हैं, फिर भी यह कहना उचित होगा कि यह दशक भारत के लिए राजनीतिक-सांस्कृतिक-आर्थिक पुनर्जागरण का समय रहा है, जिसने भारत को वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था में निर्णायक शक्ति बना दिया है। भारत की सनातनी सांस्कृतिक विरासत, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और भारत की सामरिक शक्ति में इजाफा होकर पिछले एक दशक में भारतीय जनमानस की एकजुटता एवं देश के नेतृत्व की कार्य कुशलता के परिणाम स्वरूप भारत का सम्मान और कद वैश्विक परिदृश्य में काफी हद तक ऊंचा हुआ है।

कांतिलाल मांडोत

नेपाल में क्यों उठ रही फिर से राजशाही की मांग

नेपाल, जो कभी हिंदू राजशाही के रूप में जाना जाता था, ने 2008 में राजशाही को समाप्त कर लोकतांत्रिक गणराज्य का रूप अपनाया था। उस समय यह बदलाव जनता की आकांक्षाओं और एक नए युग की शुरुआत के रूप में देखा गया था। लेकिन लगभग सत्रह साल बाद, नेपाल में फिर से राजशाही की मांग तेज़ हो रही है। देश के विभिन्न हिस्सों में "राजा वापस आओ" और "देश बचाओ" जैसे नारे सुनाई दे रहे हैं। यह केवल सत्ता परिवर्तन की बहस नहीं है बल्कि नेपाल की सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक परिस्थितियों में गहरे असंतोष का संकेत है। लोकतंत्र से जनता को सुशासन, पारदर्शिता और विकास की उम्मीद थी, परंतु बार-बार बदलती सरकारें, गठबंधन की राजनीति, भ्रष्टाचार और बुनियादी सुविधाओं की कमी ने मोहभंग पैदा किया है। कई लोगों को लगता है कि राजशाही के दौर में भले ही पूर्ण स्वतंत्रता नहीं थी, लेकिन स्थिरता और व्यवस्था बनी रहती थी। वर्तमान लोकतांत्रिक ढांचे के तहत शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, सड़कें और रोजगार जैसी ज़रूरतें पर्याप्त रूप से पूरी नहीं हो पा रही हैं। यह असंतोष पुरानी व्यवस्था के प्रति एक नॉस्टैल्जिया को जन्म दे रहा है, जिसमें लोग मानते हैं कि शायद राजशाही की मौजूदगी से प्रशासनिक स्थिरता और राष्ट्रीय एकता को बल मिलता। इस मांग के पीछे सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान का प्रश्न भी गहराई से जुड़ा है। नेपाल कभी दुनिया का एकमात्र हिंदू साम्राज्य था, जिसे 2008 में धर्मनिरपेक्ष घोषित किया गया। ग्रामीण इलाकों और पारंपरिक समुदायों के लिए यह बदलाव एक झटका था। नेपाल की 80-90 प्रतिशत आबादी हिंदू है, और कई लोग आज भी राजा को भगवान विष्णु का अवतार मानते हैं। धार्मिक अनुष्ठानों, लाल टीका, शंख और मंगलसूत्र जैसी परंपराओं के साथ राजशाही को जोड़कर देखने वाले मानते हैं कि उनकी सांस्कृतिक जड़ों की अनदेखी की गई। हाल के प्रदर्शनों में धार्मिक प्रतीकों और झंडों का प्रयोग यह दिखाता है कि यह आंदोलन केवल राजनीति नहीं बल्कि सांस्कृतिक आत्मसम्मान का प्रतीक बन चुका है। भ्रष्टाचार और जवाबदेही की कमी ने भी इस मुद्दे को हवा दी है। लोकतंत्र के तहत अपेक्षित पारदर्शिता और संस्थागत स्वतंत्रता के बजाय राजनीतिक हस्तक्षेप और नियुक्तियों ने जनता का विश्वास डगमगाया है। कई नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं, और न्यायिक व प्रशासनिक

संस्थाओं पर राजनीतिक दबाव की शिकायतें आम हैं। कुछ लोगों का मानना है कि संवैधानिक राजशाही एक संतुलनकारी शक्ति बनकर लोकतांत्रिक सरकारों पर नियंत्रण रख सकती है और सत्ता के दुरुपयोग को रोक सकती है। नेपाल का भू-राजनीतिक संदर्भ भी इस बहस में भूमिका निभाता है। यह भारत और चीन जैसे दो शक्तिशाली पड़ोसियों के बीच स्थित एक लैंडलॉक देश है। इन दोनों देशों के बीच संतुलन साधना नेपाल के लिए हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है। कई लोगों का तर्क है कि राजशाही के दौर में विदेश नीति अपेक्षाकृत स्थिर और संतुलित थी। इसके अलावा, ब्रिटेन, जापान और थाईलैंड जैसे देशों में संवैधानिक राजशाही सफलतापूर्वक काम कर रही है।

इस उदाहरण के आधार पर कुछ समूह मानते हैं कि नेपाल भी ऐसा ही मॉडल अपनाकर परंपरा और आधुनिकता का संतुलन स्थापित कर सकता है। हाल के आंदोलनों में युवाओं की भागीदारी भी उल्लेखनीय है। सोशल मीडिया पर लगाए गए प्रतिबंध के खिलाफ शुरू हुआ "जेन-ज़ी आंदोलन" दर्शाता है कि नई पीढ़ी मौजूदा शासन से असंतुष्ट है। उनके लिए राजशाही पर चर्चा किसी व्यवस्था का अंध समर्थन नहीं, बल्कि वैकल्पिक रास्तों की तलाश है। वे महसूस करते हैं कि अगर लोकतंत्र उनकी आवाज़ नहीं सुनता, तो उसके विकल्पों पर विचार करना गलत नहीं है। यह नई ऊर्जा राजशाही की बहस को और मजबूती दे रही है और पुरानी पीढ़ी की भावनाओं के साथ जोड़ रही है। जानी-मानी अभिनेत्री मनीषा कोइराला का हालिया बयान भी इस बहस को और उभार चुका है। उन्होंने कहा कि संविधान में राजशाही के लिए जगह होनी चाहिए थी और परंपरा तथा आधुनिकता के बीच संतुलन बिगड़ने से ही मौजूदा हालात बने हैं। मनीषा नेपाल के राजनीतिक परिवार से आती हैं और उनका यह विचार उन भावनाओं को शब्द देता है, जो पहले से जनता के बड़े हिस्से में मौजूद थीं। नेपाल के प्रमुख राजनीतिक दलों ने राजशाही की वापसी की संभावना को खारिज किया है। नेपाली कांग्रेस, नेकपा (यूएमएल) और माओवादी दल मानते हैं कि लोकतांत्रिक ढांचे को मजबूत करना ही समाधान है। दूसरी ओर, राष्ट्रिया प्रजातन्त्र पार्टी (आरपीपी) और कुछ अन्य समूह राजशाही को चुनावी एजेंडा बना रहे हैं। परंतु राजशाही की वापसी आसान नहीं है। इसके लिए संविधान संशोधन की आवश्यकता होगी, जिसके लिए संसद और जनता दोनों का समर्थन अनिवार्य होगा। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय समुदाय भी किसी गैर-लोकतांत्रिक कदम पर आपत्ति जता सकता है। दरअसल, राजशाही की मांग का अर्थ यह नहीं है कि नेपाल की पूरी जनता लोकतंत्र को अस्वीकार कर रही है। यह एक संकेत है कि लोग मौजूदा शासन से असंतुष्ट हैं और वैकल्पिक विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। बहुत से लोग संवैधानिक राजशाही की बात करते हैं, जिसमें राजा केवल सांस्कृतिक प्रतीक बने रहें और निर्वाचित सरकार के पास ही कार्यकारी शक्ति रहे। उनका मानना है कि इससे परंपराओं का सम्मान भी होगा और लोकतांत्रिक व्यवस्था भी कायम रहेगी। राजशाही की वापसी की संभावना फिलहाल सीमित है, लेकिन यह बहस लोकतंत्र के लिए चेतावनी का काम कर रही है। यदि राजनीतिक दल पारदर्शिता, सुशासन और जनता की अपेक्षाओं को पूरा करने में विफल रहते हैं, तो यह असंतोष और गहरा सकता है। लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए स्वतंत्र न्यायपालिका, निष्पक्ष चुनाव, भ्रष्टाचार पर सख्ती और युवाओं की सक्रिय भागीदारी को प्राथमिकता देनी होगी। यही उपाय जनता के विश्वास को बहाल कर सकते हैं और राजशाही के प्रति मोह को कमजोर कर सकते हैं। नेपाल के लिए सबसे बड़ी चुनौती अब यह है कि वह परंपरा और आधुनिकता, सांस्कृतिक पहचान और लोकतांत्रिक मूल्यों के बीच संतुलन साधे।

राजशाही की उठती मांग यह याद दिलाती है कि लोकतंत्र केवल चुनाव कराने का नाम नहीं है, बल्कि यह जनता की भावनाओं, सांस्कृतिक अस्मिता और न्याय की अपेक्षाओं को सम्मान देने की प्रक्रिया है। अगर लोकतांत्रिक संस्थाएँ जवाबदेह और पारदर्शी बनें, तो नेपाल स्थिरता और विकास के मार्ग पर आगे बढ़ सकता है, बिना राजशाही के पुराने ढांचे की ओर लौटे।

महेन्द्र तिवारी

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

घर के अंदर फंदे से झूलकर युवती ने की आत्महत्या

नगराम। लखनऊ, नगराम थाना क्षेत्र के कमालपुर बिचलिका गांव में सोमवार की सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब गांव निवासी किसान महेश प्रसाद की 24 वर्षीय पुत्री रंजना ने घर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय घर पर कोई मौजूद नहीं था।मिली जानकारी के अनुसार, रंजना की मां मिथिलेश आंगनबाड़ी सहायिका के पद पर तैनात हैं। घटना के वक्त वह ड्यूटी पर स्कूल गई हुई थीं। वहीं रंजना के दोनों भाई संजीव और रैलीज रोजी-रोटी के सिलसिले में बाहर प्राइवेट नौकरी करते हैं। बताया जा रहा है कि सोमवार को करीब 11 बजे रंजना ने कमरे के अंदर फांसी का फंदा बनाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली।सूचना पाकर मौके पर पहुंची नगराम पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरवाया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अचानक हुई इस घटना से गांव में मातम पसर गया है और परिजन का रो-रोकर बुरा हाल है।परिजनों का कहना है कि रंजना ने ऐसा कदम क्यों उठाया, इसका उन्हें अंदाजा नहीं है। उन्होंने बताया कि वह स्वभाव से हंसमुख और मिलनसार थी, किसी प्रकार की कोई पारिवारिक कलह या परेशानी भी नहीं थी। परिजनों ने आशंका जताई कि किसी मानसिक तनाव या व्यक्तिगत कारण से उसने यह कदम उठाया होगा।ग्रामीणों का कहना है कि रंजना व्यवहार कुशल और सबके साथ घुल-मिलकर रहने वाली लड़की थी। उसकी मौत से पूरा गांव स्तब्ध है। लोगों का कहना है कि रंजना ने इस तरह का कदम उठाया, यह विश्वास करना मुश्किल है। गांव के बुजुर्गों का कहना है कि परिवार पूरी तरह से साधारण और शांतिप्रिय है, ऐसे में यह घटना सभी के लिए चौंकाने वाली है।थाना प्रभारी विवेक चौधरी का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों पर स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

सोना-चांदी सस्ता हुआ या महंगा? फटाफट चेक करें ताजा भाव

आज सर्राफा बाजारों में सोने और चांदी की कीमतों में थोड़ी गिरावट देखने को मिली है। 24 कैरेट सोना 104 रुपये सस्ता होकर बिना जीएसटी 1,09,603 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया, जबकि जीएसटी सहित इसकी कीमत 1,12,891 रुपये प्रति 10 ग्राम रही। वहीं, चांदी के रेट में भी 245 रुपये की गिरावट दर्ज की गई और यह बिना जीएसटी 1,27,763 रुपये प्रति किलो पर खुली, जबकि जीएसटी सहित इसकी कीमत 1,31,595 रुपये प्रति किलो रही। सितंबर महीने में अब तक सोना कुल 7,215 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा हुआ है, वहीं चांदी की कीमतों में भी 10,191 रुपये प्रति किलो की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार अगस्त के आखिरी कारोबारी दिन सोना 1,02,388 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 1,17,572 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी। शुक्रवार को सोना 1,09,707 रुपये और चांदी 1,28,008 रुपये पर बंद हुई थी। कैरेट के हिसाब से भी सोने की कीमतों में गिरावट देखी गई, जैसे 23 कैरेट गोल्ड 104 रुपये गिरकर 1,09,164 रुपये प्रति 10 ग्राम और जीएसटी सहित 1,12,438 रुपये पर पहुंच गया। 22 कैरेट सोना 96 रुपये सस्ता होकर 1,00,396 रुपये प्रति 10 ग्राम और जीएसटी सहित 1,03,407 रुपये हो गया। इसी तरह 18 कैरेट सोना 78 रुपये की गिरावट के साथ 82,202 रुपये और जीएसटी सहित 84,668 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया, जबकि 14 कैरेट गोल्ड की कीमत अब जीएसटी सहित 66,041 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है। आईबीजेए ये हाजिर भाव दिन में दो बार दोपहर 12 बजे और शाम करीब 5 बजे जारी करता है, हालांकि अलग-अलग शहरों में इन भावों में 1,000 से 2,000 रुपये तक का अंतर हो सकता है।

बाघ की लोकेशन के बाद एरिया रेड जोन मवेशी के शिकार के बाद 500 मीटर का इलाका सील

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के विकासखंड महोली क्षेत्र में रविवार को एक बार फिर बाघ ने मवेशी को अपना शिकार बना लिया घटना के बाद वन विभाग ने हालात की गंभीरता को देखते हुए नरनी गांव के आसपास करीब 500 मीटर क्षेत्र को रेड जोन घोषित कर सील कर दिया है। प्रभावित इलाके में ग्रामीणों की आवाजाही पूरी तरह रोक दी गई है वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार बाघ की लोकेशन गन्ने के खेतों में ट्रेस हो चुकी है टीम लगातार निगरानी कर रही है और दावा किया जा रहा है कि मौसम ने साथ दिया तो जल्द ही बाघ को पकड़ लिया जाएगा। सुरक्षा की दृष्टि से गांव और खेतों के रास्तों पर भी प्रतिबंध लगाया गया है ताकि कोई अनहोनी न हो गौरतलब है कि 22 अगस्त को ग्राम नरनी निवासी शुभम दीक्षित खेतों में बाघ का शिकार बन गए थे इसके बाद से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है ग्रामीण खेतों में जाने से बच रहे हैं और रात के समय तो लोग घरों से बाहर निकलने में भी डर रहे हैं बाघ को पकड़ने के लिए वन विभाग ने पीएचसी को कमांड सेंटर बनाया है यहां से दुधवा टाइगर रिजर्व से बुलाई गई एक्सपर्ट टीम और स्थानीय वन विभाग की संयुक्त टीम लगातार अभियान चला रही है कैमरा ट्रैप और ड्रोन की मदद से भी बाघ की गतिविधियों पर नज़र रखी जा रही है डीएफओ नवीन खंडेलवाल ने बताया कि बाघ की मौजूदगी गन्ने के खेत में स्पष्ट हो चुकी है एक्सपर्ट की टीम और विभाग के

अधिकारी लगातार गश्त कर रहे हैं उन्होंने उम्मीद जताई कि जल्द ही बाघ को सुरक्षित तरीके से काबू में कर लिया जाएगा लगातार हो रही घटनाओं से गांव के लोग दहशत में हैं और प्रशासन से सुरक्षा की गुहार लगा रहे हैं वन विभाग का कहना है कि ग्रामीणों को सतर्क रहने और बिना जरूरत खेतों में न जाने की हिदायत दी गई है!!

विधायक ने निराला नगर में सड़क के दोनों तरफ नाला निर्माण के लिए लिखा पत्र

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के कानपुर पर स्थित निराला नगर मोहल्ला में नाली निर्माण की समस्या अब समाधान की ओर बढ़ती दिख रही है। सपा विधायक देवेंद्र प्रताप सिंह ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता को पत्र लिखकर सड़क के दोनों तरफ नाला निर्माण कराए जाने की मांग की है। मोहल्लावासी अभिषेक सिंह बेटू, शिवोम सिंह, रत्नाकर सिंह, राहुल पाल, हरी पाल, गोलू, रोहित आदि का कहना है कि पानी निकासी की उचित व्यवस्था न होने से बारिश का पानी सीधे सड़क पर भर जाता है। नतीजतन सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं, जिनमें पानी भरने से वाहन चालक अक्सर दुर्घटनाग्रस्त होकर चोटिल हो जाते हैं। इस समस्या को लेकर मोहल्ले के लोगों ने विधायक से गुहार लगाई थी। उनकी मांग पर विधायक ने उमेश पत्रकार के घर से लेकर बेहटा चौराहे के निकट बने नाले तक दोनों तरफ नाली निर्माण कराने के लिए विभाग को पत्र भेजा है। विधायक की इस पहल से स्थानीय लोग प्रसन्न हैं और उन्होंने उम्मीद जताई है कि जल्द ही सड़क और मोहल्ले की समस्या दूर होगी।

नहर किराने मिला बुजुर्ग का शव घर में मचा कोहराम, दो दिन पहले शौच के लिए घर से निकला था

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के हरगांव थाना क्षेत्र के अम्बहिया गांव में शौच करने गए एक वृद्ध व्यक्ति की नहर में डूबने से मौत हो गई मृतक का शव घटना के दो दिन बाद उतराता मिला। जिससे परिजनों में कोहराम मच गया जानकारी के अनुसार अम्बहिया गांव निवासी शत्रोहन (52) पुत्र छुट्टा शनिवार की शाम करीब छह बजे घर से शौच करने के लिए पास की नहर पर गए थे नहर किनारे शौच के दौरान अचानक उनका पैर फिसल गया और वह तेज धारा में बह गए परिजनों ने देर रात तक उनकी खोजबीन की लेकिन कोई सुराग नहीं लगा ग्रामीणों ने भी रातभर खोज की मगर सफलता हाथ नहीं लगी सोमवार सुबह स्थानीय लोगों ने शव को रामनगर झाल के पास नहर में उतराता देखा और परिजनों को सूचना दी मृतक के भाई मनोहर पुत्र छुट्टा की मदद से शव को बाहर निकाला गया घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के घर पर मातम छा गया और परिजन चीख-पुकार कर बिलखने लगे सूचना पाकर हरगांव थाना पुलिस मौके पर पहुंची रामनगर चौकी प्रभारी बसंत कुमार, आरक्षी गौतम कुमार, आरक्षी लक्ष्मीशंकर व योगेश सिंह ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। ग्रामीणों का कहना है कि नहर व तालाब किनारे ऐसी घटनाएं अक्सर होती रहती हैं मृतक शत्रोहन की मौत के बाद गांव में शोक की लहर दौड़ गई!!

ऑटो और डीसीएम की भिड़ंत से युवक की हुई मौत धर्मकांटे पर काम करने जा रहा था युवक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के बिसवां कोतवाली क्षेत्र में सोमवार सुबह दर्दनाक हादसा हो गया शहीद चौराहे पर एक ऑटो और डीसीएम की भिड़ंत में ऑटो सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। थाना मानपुर के ग्राम कोड़रा निवासी मोहर्रम अली पुत्र गुलजार अली रोज की तरह धर्मकांटे पर काम करने के लिए सिधौली से बिसवां आ रहे थे इसी दौरान सवारियों से भरा ऑटो जैसे ही इंटिया शहीद चौराहे पर पहुंचा, सामने से आ रही डीसीएम से जोरदार टक्कर हो गई टक्कर इतनी भीषण थी कि मोहर्रम अली गंभीर रूप से घायल हो गए और कुछ ही देर में उन्होंने दम तोड़ दिया हादसे की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया पुलिस ने

डीसीएम व उसके चालक को हिरासत में ले लिया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

ग्रामीणों का कहना है कि इस चौराहे पर आए दिन हादसे होते रहते हैं लेकिन यातायात व्यवस्था में सुधार नहीं हो पा रहा है। हादसे के बाद से मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है गांव में शोक की लहर दौड़ गई है स्थानीय लोगों ने मांग की है कि प्रशासन चौराहे पर यातायात व्यवस्था दुरुस्त करे और बड़े वाहनों की अंधाधुंध गति पर रोक लगाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो!!

एसयूवी की टक्कर से ई रिक्शा चालक और छात्रा घायल

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के डलमऊ रोड ओवर ब्रिज के निकट सोमवार की सुबह तेज रफ़्तार एसयूवी ने ई-रिक्शा में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। जिससे दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे में ई-रिक्शा चालक व उसमे सवार एक स्कूली छात्रा घायल हो गए। घायल छात्र को इलाज के लिए सीएचसी पहुंचाया गया। बांदा जनपद के नरैनी के रहने वाले अजय कुमार द्विवेदी अपनी कर से लखनऊ जा रहे थे। जैसे ही वह रोड ओवरब्रिज के निकट तपस्वी आश्रम के सामने पहुंचे उनकी कार सामने जा रहे एक ई रिक्शा से भिड़ गई। जिससे कार और ई रिक्शा दोनों बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए। टककर से ई रिक्शा में बैठी छात्रा व डलमऊ थाना क्षेत्र के मंडापुर सौरासी निवासी ई रिक्शा चालक आजाद अली को चोट लग गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल छात्र को अस्पताल पहुंचवाया। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि दुर्घटना के संबंध में जानकारी मिली है। जांच कराई जा रही है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत, साथी गंभीर रूप से घायल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

निगोहां। लखनऊ, निगोहां थाना क्षेत्र के उदयपुर गांव के पास रविवार देर रात सड़क हादसे में एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद आरोपी वाहन चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मृतक का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और घायल को उपचार के लिए अस्पताल पहुँचाया।मिली जानकारी के अनुसार, निगोहां थाना क्षेत्र के उतरांवा गांव के मजरा बखतखेड़ा निवासी भूपेंद्र सिंह ने बताया कि उसका छोटा भाई दीपक सिंह (33) रविवार रात घर से निकला था। रास्ते में उसकी मुलाकात पतौना निवासी अपने साथी राजेंद्र से हुई और दोनों बाइक से निगोहां कस्बे चले गए। देर रात दोनों उदयपुर पेट्रोल पंप पर पेट्रोल भरवाने जा रहे थे। पंप से कुछ दूरी पहले ही लखनऊ

से रायबरेली की ओर तेज रफ्तार से जा रहे एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर लगते ही दीपक का सिर फट गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, साथी राजेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुँची पुलिस ने घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा, जहाँ से डॉक्टरों ने हालत गंभीर देखते हुए उसे ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। पुलिस ने मृतक का पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक अविवाहित था और तीन भाइयों में सबसे छोटा था। बड़े भाई भूपेंद्र व मंझले भाई सोनू से अलग वह खेती किसानी करता था। मृतक के पिता बिमलेश और मां का पहले ही निधन हो चुका है।एसआई चंदन ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और घायल का इलाज ट्रॉमा सेंटर में चल रहा है। उन्होंने कहा कि घटना में शामिल अज्ञात वाहन की पहचान कर चालक की तलाश की जा रही है।

स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज लखनऊ ने 58वां इंजीनियर दिवस मनाया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में भारत रत्न सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया, जो एक महान विद्वान, शिक्षाविद और भारत के सबसे प्रसिद्ध सिविल इंजीनियर थे, की 165 वीं जयंती के अवसर पर, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज लखनऊ ने 15 सितंबर 2025 को 58वां इंजीनियर दिवस मनाया। कार्यक्रम का प्रारम्भ, उनके चित्र पर माल्यार्पण और गणमान्य व्यक्तियों द्वारा उदबोधन के साथ आयोजित किया गया। शरद सिंह, सचिव व कार्यकारी अधिकारी, एसएमएस, इस अवसर पर सभी इंजीनियरिंग संकाय के शिक्षकों और कर्मचारियों को शुभकामनाएं दी। डा0 आशीष भटनागर ने भी शिक्षकों व छात्र-छात्राओं को सर विश्वेश्वरैया जी के कार्यो से प्रेरणा लेने की बात कही। प्रो0 (डॉ0) भरत राज सिंह, महानिदेशक (तकनीकी), स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज, लखनऊ ने भारतरत्न सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया के द्वारा किए गए अग्रणी कार्यो के बारे में विस्तार से सभा को संबोधित किया। उन्होंने सर एम विश्वेश्वरैया के नक्शेकदम पर चलने और राष्ट्र के लिए सार्थक योगदान देने के लिए शिक्षकों व छात्र-छात्राओं भी प्रेरित किया। डा0 धर्मेन्द्र सिंह-सह निदेशक ने भारत के महान इंजीनियरों के कार्यों को सूचीबद्धकर उनके द्वारा राष्ट्र निर्माण के लिए किये गये उल्लेखनीय कार्यो को मनन करने व उनका अनुसरण करने की बात कही। इसी क्रम में, इंजीनियर विजन की गठित समिति की द्वारा भी प्रतिभाग किया गया। इस अवसर पर भारी संख्या में, प्रो0 (डॉ0) भरत राज सिंह, महा निदेशक प्रो0 (डॉ0) धर्मेन्द्र सिंह, सह-निदेशक प्रो0 (डॉ0) पी0के0 सिंह, डीन-छात्र कल्याण व विभागाध्यक्ष-डॉ0 कमलेश सिंह, डॉ0 आशा कुलश्रेष्ठ, डॉ0 अजय सिंह, डॉ0 अरुणेश श्रीवास्तव, मेनेजर इन्क्यूबेशन डॉ0 वेद कुमार,

डॉ0 वी0डी0 त्रिपाठी, अनुरूप कुमार सिंह, अतुल तिवारी, आकांक्षा श्रीवास्तव,

अनामिका कुमारी, रेनू, हिमांशु मिनोत्रा, वरुण सिंह, विवेक मिश्रा, शुजा असकरी, अभिषेक कुमार, राहुल चौरसिया, योगेन्द्र वर्मा आदि। शिक्षकगणों ने प्रतिभाग किया तथा इंजीनियर्स दिवस पर छात्रों के रचनात्मक विचारों, समर्पण और तकनीकी ज्ञान को प्रज्वलित करने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 प्रमोद कुमार सिंह, अधिष्ठाता-छात्र कल्याण, एसएमएस, लखनऊ द्वारा किया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं द्वारा पोस्टर बनाने व प्रश्नावली की प्रतियोगिता करायी गयी और सुजाता सिन्हा, सहायक प्रोफेसर, द्वारा पेड़ लगाने का अभियान भी चलाया गया।

मोहनलालगंज एसीपी ने ऑपरेशन प्रहार का किया आगाज

● ..... पुलिस ने गौरा गांव से हिस्ट्रीशीटर पर कसा शिकंजा।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज। लखनऊ, अपराध और अपराधियों पर नकेल कसने के लिए पुलिस ने मोर्चा संभाल लिया है। सोमवार को एसीपी मोहनलालगंज रजनीश वर्मा ने बड़े स्तर पर ऑपरेशन प्रहार की शुरुआत की। इसकी शुरुआत गौरा गांव से की गई, जहां पुलिस ने एक हिस्ट्रीशीटर अपराधी के घर दबिश दी।

अचानक हुई इस कार्रवाई से गांव में हड़कम्प मच गया।इस दौरान इंस्पेक्टर मोहनलालगंज दिलेश कुमार सिंह फोर्स के

साथ मौके पर मौजूद रहे और पूरी कार्रवाई का नेतृत्व किया। दबिश के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए। एसीपी ने मौके पर ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और भरोसा दिलाया कि पुलिस हर हाल में कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाएगी। एसीपी ने कहा कि अपराध और अपराधियों पर किसी भी कीमत पर ढिलाई नहीं बरती जाएगी, जिससे क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बनी रहे। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऑपरेशन प्रहार लगातार जारी रहेगा और अन्य हिस्ट्रीशीटर व सक्रिय अपराधियों पर भी इसी तरह सख्त कार्रवाई की जाएगी। गौरा गांव में हुई इस कार्रवाई से अपराधियों के बीच खौफ साफ नजर आने लगा है। पुलिस की यह पहल अपराध पर अंकुश लगाने की दिशा में बड़ा कदम मानी जा रही है।

धार्मिक गतिविधि करने वाले फार्म हाउस पर लटका ताला, पुलिस ग्रामीणों से पूछताछ कर लौटी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

निगोहा। लखनऊ, निगोहा थाना क्षेत्र के एक फॉर्म हाउस में एक समुदाय द्वारा धार्मिक गतिविधि के लिए रविवार को भीड़ एकत्रित करने की सूचना पर हिन्दू संगठन के लोगो ने पहुंचकर हंगामा किया था। जिसके सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर पहुंचकर थाने ले आई थी। इसके बाद पूछताछ कर थाने से छोड़कर जांच करने के बाद कार्यवाही की बात कही थी। सोमवार को एक बार फिर जब पुलिस मौके पर पहुंची तो फार्म हाउस पर ताला लटक मिला वही पुलिस ने गांव में इसके बारे में जानकारी जुटाई तो जिसमें पता चला कि फार्म हाउस का कुछ हिस्सा सरकारी जमीन पर है। साथ विशेष धर्म गतिविधि होने की भी पुष्टि होने की बात समाने आई है। जिसको लेकर पुलिस ने मंगलवार को राजस्व टीम बुलाकर जमीन नापकर कराकर अवैध कब्जे को हटवाने की बात कही है।वही धार्मिक गतिविधि का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद इलाके विरोध के सुर बढ़ गए है। रविवार को मौके पर पहुंचे हिंदू संगठन के लोगों का आरोप था कि इस फार्म हाउस में हर रविवार को बाहरी लोग आते हैं और वहां धर्मांतरण से जुड़ी गतिविधियाँ होती हैं। लोगों का कहना है कि यह सिलसिला काफी समय से चल रहा है और इससे गाँव के वातावरण में अशांति फैल रही है। वही सोमवार जांच करने पहुंची पुलिस को फार्म हाउस पर ताला लटका मिला तो पुलिस गांव पहुंचकर लोगों से इसके बारे में बातचीत की तो चौंकाने वाले तथ्य सामने निकलकर आए जिसके बाद पुलिस हरकत में आई और इसकी जानकारी अधिकारियों को दी। वही निगोहा थाना प्रभारी ने कहा कि ग्रामीणों से जानकारी

मिली है कि फार्म हाउस का कुछ हिस्सा सरकारी जमीन पर बना हुआ इसके लिए तहसील अधिकारियों से संपर्क कर मंगलवार को राजस्व टीम को बुलाकर जमीन की नाप कराई जाएगी अवैध कब्जा मिलने पर अधिकारियों की अनुमति के बाद ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की जाएगी ।साथ ही फार्म हाउस पर रहने वाले और धार्मिक गतिविधि चलाने वालों को तलाश की जा रही है।

किशोरी को बहला-फुसलाकर भगाने वाला युवक गिरफ्तार

●.....मोहनलालगंज पुलिस की कार्रवाई, पीड़िता सकुशल बरामद।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज। लखनऊ, मोहनलालगंज थाना क्षेत्र एक गांव में पुलिस ने एक किशोरी को बहला-फुसलाकर भगाने वाले युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने पीड़िता को सकुशल बरामद कर लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बीते नौ सितम्बर को मोहनलालगंज थाने में एक पीड़िता ने तहरीर देकर बताया कि उसकी नाबालिग 17 वर्षीय बहन को एक युवक मोबाइल फोन से लगातार बात कर अपने जाल में फंसा रहा था। परिजनों ने कई बार मना किया, लेकिन आरोपी युवक ने किशोरी से बातचीत जारी रखी और बीते पांच सितम्बर को शादी का झांसा देकर उसे भगा ले गया।

इस मामले में मोहनलालगंज पुलिस ने तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया। पुलिस ने जांच शुरू कर आरोपी की तलाश में टीम गठित की।विवेचना में आरोपी की पहचान बीस वर्षीय हामिद रजा पुत्र हमीदुल्ला उर्फ जुगनू निवासी ग्राम पिपरा रहीम, थाना रूधौली, जनपद बस्ती के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश देती रही। एसीपी रजनीश वर्मा ने बताया जांच कर रही पुलिस टीम ने मोहनलालगंज थाना में स्थित किसान पथ

के पास से किशोरी को सकुशल बरामद कर लिया। इसी दौरान आरोपी हामिद रजा को भी मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।बरामद किशोरी का पुलिस ने चिकित्सीय परीक्षण व आवश्यक परामर्श कराया और फिर उसे परिजनों को सौंप दिया।

सेन पश्चिम पारा में ग्रामीणों ने नौ लोगों को चोर समझकर पुलिस को सौंपा

कानपुर नगर/घाटमपुर सेन पारा मे ग्रामीणों ने नौ लोगों को चोर समझकर पकड़ने के साथ पुलिस को सौंप दिया पुलिस की पूछताछ में नौ युवक मजदूर निकलें, पुलिस ने सभी का वेरिफिकेशन करानें के साथ घर भेज दिया, पुलिस ने ग्रामीणों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है,सेन पश्चिम पारा थाना प्रभारी निरीक्षक के पी सिंह ने बताया कि आजाद नगर से देर रात सूचना मिली थी कि ग्रामीणों ने नौ चोर पकड़े हुए है, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, पुलिस सभी को हिरासत में लेकर थाने ले आई पुलिस को पूछताछ में युवकों ने अपनी पहचान उन्नाव जिले के अजगैन निवासी, सुनील, भतीजा लकी रावत,और शिव रावत, तीनों एक साथ किराए के कमरे में रहकर चकेरी स्थिति प्लास्टिक फैक्ट्री में नौकरी करते हैं।

लंबित प्रकरणों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण को लेकर डीसीपी ने आयोजित की समीक्षा बैठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज। लखनऊ, पुलिस उपायुक्त दक्षिणी निपुण अग्रवाल ने सोमवार को जोन के समस्त थानों एवं कार्यालयों पर नियुक्त आईजीआरएस जन शिकायत निवारण प्रणाली अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा करते हुए उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि शिकायतों का निस्तारण समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाए।डीसीपी निपुण अग्रवाल ने कहा कि शासन स्तर से लगातार इस बात पर बल दिया जा रहा है कि जनता की शिकायतों का त्वरित समाधान हो और पीड़ितों को समय पर न्याय मिले। ऐसे में किसी भी स्तर पर लापरवाही या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी भरे लहजे में कहा कि यदि शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही पाई गई तो संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी। डीसीपी ने यह भी कहा कि हर प्रकरण को गंभीरता से सुना जाए और समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और प्रत्येक प्रकरण का निष्पक्ष निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

बैठक के दौरान आईजीआरएस पोर्टल पर लंबित मामलों की समीक्षा के साथ ही अधिकारियों से उनकी प्रगति रिपोर्ट भी ली गई। डीसीपी ने यह भी कहा कि जनता का पुलिस पर विश्वास तभी बढ़ेगा जब उसकी समस्याओं का समाधान सही समय पर और

पारदर्शी तरीके से किया जाएगा।उन्होंने निर्देश दिया कि अब प्रत्येक थाना और कार्यालय स्तर पर हर सप्ताह समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें लंबित प्रकरणों की स्थिति पर रिपोर्ट दी जाएगी। साथ ही हर पीड़ित को उसकी शिकायत की प्रगति की जानकारी समय-समय पर उपलब्ध कराई जाएगी। डीसीपी ने बताया कि इसके लिए एक हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया जाएगा, जिससे जनता सीधे अपनी शिकायत की स्थिति जान सकेगी।

नीलगाय के आने से बोलोरो अनियंत्रित होकर पलटी बाल बाल बचा ड्राइवर और साथी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नगराम। लखनऊ, बीते रविवार को रात के समय वापस नगराम के अमवा मुर्तजापुर गांव लौट रहे युवक की बोलेरो भजा खेड़ा गांव के पास पहुंचते ही सामने अचानक नीलगाय के आ जाने से गाड़ी अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई उसके बाद बोलेरो वाहन रोड से करीब 8 फिट गहरे खेत में जा गिरी।घटना में ड्राइवर के दाहिने हाथ की कलाई टूट गई जबकि पास बैठे युवक को मामूली चोटे आई हैं। नगराम के अमवा मुर्तजापुर गांव निवासी शैलेंद्र साहू ने बताया उसने करीब तीन महीने पहले ही न्यू बोलेरो खरीदी थी।वह बीते रविवार की नौ बजे रात लखनऊ के मटियारी से अपनी बोलेरो गाड़ी की ऐसी मरम्मत करा कर वापस घर अमवा मुर्तजापुर गांव लौट रहे थे तभी भजाखेड़ा गांव के पास पहुंचते ही उनकी बोलेरो गाड़ी UP-32-QR -3296के सामने अचानक नीलगाय आ

गई नीलगाय को बचाने के चक्कर में उनकी बोलेरो अनियंत्रित होकर एक पेड़ से टकरा गई।और उछल कर रोड से बाई ओर करीब 8 फीट गहरे धान के खेत में जाकर पलट गई। इस घटना में गाड़ी चला रहे ड्राइवर शैलेंद्र साहू के दाहिने हाथ की हड्डी टूट गई। जबकि पास में बैठे युवक को मामूली चोटे आई हैं। जबकि बोलेरो गाड़ी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।शैलेंद्र का एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। गाड़ी मालिक शैलेंद्र साहू ने बताया गाड़ी की एजेंसी को फोन कर दिया गया है वहां के लोग मौके पर आकर क्लेम के लिए निरीक्षण करेंगे।

संक्षिप्त खबरें

सरयू पुल के पास लँगूरों का आतंक, ग्रामीणों ने प्रशासन से मांगी राहत

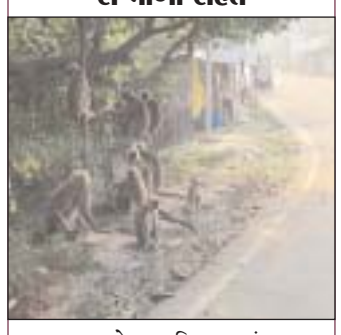

परसपुर, गोण्डा। विकास खंड परसपुर के भौरीगंज में सरयू पुल के आसपास लँगूरों का आतंक चरम पर है। झुंड में सड़कों पर उतरने वाले ये लँगूर आवागमन को बाधित कर रहे हैं, जिससे घंटों यातायात ठप हो जाता है। स्थानीय लोग भयभीत हैं और खासकर पैदल यात्री और छोटे वाहन चालक सड़क पर निकलने से कतराते हैं। ग्रामीणों के अनुसार, बड़े वाहनों के आने पर लँगूर कुछ दूरी पर हटते हैं, लेकिन छोटे वाहनों और पैदल यात्रियों के लिए खतरा बरकरार रहता है। विद्यार्थियों को स्कूल-कॉलेज आने-जाने में खासी दिक्कत हो रही है, क्योंकि लँगूरों का झुंड अचानक हमला कर सकता है। स्थानीय दुकानदारों ने बताया कि लँगूर दुकानों से सामान चुरा ले जाते हैं, जिससे व्यापारियों को आर्थिक नुकसान हो रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि अचानक बड़ी संख्या में लँगूरों का झुंड कहाँ से आया, यह समझ से परे है। इनमें छोटे-बड़े सभी लँगूर शामिल हैं, जो और भी खतरनाक स्थिति पैदा करते हैं। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं हुआ तो बड़ी अनहोनी हो सकती है। प्रशासन से लँगूरों को पकड़कर सुरक्षित स्थान पर ले जाने की व्यवस्था करने की गुहार लगाई गई है, ताकि आवागमन सुचारु हो और लोग निडर होकर जी सकें।

भक्ति और सद्भाव के रंग में रंगा सतगुरु महाराज का जन्मोत्सव

मध्य दिल्ली की सभी शाखाओं के सहयोग से हुआ भव्य आयोजन, प्रभात फेरी से सत्संग और प्रसाद वितरण तक रहा श्रद्धा व उत्साह का वातावरण

मध्य दिल्ली। परम पूज्य सतगुरुदेव श्री सतपाल जी महाराज का पावन जन्मोत्सव मध्य दिल्ली की सभी शाखाओं के संयुक्त सहयोग से श्रद्धा और उत्साहपूर्वक सद्भावना सत्संग समारोह के रूप में मनाया गया। भक्तों और कार्यकर्ताओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति ने कार्यक्रम को भव्य बना दिया।

समारोह की प्रमुख झलकियाँ

प्रभात फेरी- सुबह 07:00 से 09:00 बजे तक प्रभात फेरी का आयोजन किया गया, जिसका संचालन श्री विजय वर्मा एवं सेवा दल के स्वयंसेवकों द्वारा किया गया।

नाश्ता व प्रसाद व्यवस्था- 09:00 से 09:30 बजे तक नाश्ता व प्रसाद की व्यवस्था श्री परमानन्द जी और श्री मोहन लाल जी ने संभाली।

सत्संग कार्यक्रम

09:30 से 12:30 बजे तक सत्संग आयोजित हुआ। स्टेज संचालन श्री मोहन लाल व श्री दिन दयाल गोयल जी ने किया।, महात्माओं ने भक्तों को संबोधित किया।, शाखाओं के कार्यकर्ताओं ने माननीय मेहमानों का स्वागत किया।, श्री रामभज गुप्ता व केन्द्रीय समिति के पर्यवेक्षक श्री दिन दयाल ने विशिष्ट अतिथियों का अभिनंदन किया।

प्रसाद वितरण- सत्संग के उपरांत सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

धन्यवाद ज्ञापन- समारोह की सफलता में सहयोग देने वाले सभी कार्यकर्ताओं और प्रेमियों का आभार व्यक्त किया गया। समयबद्ध और अनुशासित ढंग से सम्पन्न हुआ यह आयोजन टीम भावना और श्रद्धा का प्रतीक बना। भव्य आयोजन ने श्रद्धालुओं के हृदय में भक्ति, प्रेम और सद्भाव की अविस्मरणीय छाप छोड़ी।

गोण्डा में स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही से मां-नवजात की मौत, सेवाओं पर सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोण्डा। जिले में स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही एक बार फिर चर्चा में है। कौड़िया के रूपईडीह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रसव के दौरान एक महिला और उसके नवजात शिशु की मौत ने स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाल स्थिति को उजागर किया है। इस घटना ने विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। परिजनों के अनुसार, प्रसव पीड़ा से तड़प रही महिला को रूपईडीह पीएचसी लाया गया। वहां स्टाफ नर्स ने इलाज शुरू किया,लेकिन डॉक्टर की अनुपस्थिति के कारण समुचित चिकित्सा सुविधा नहीं मिली। इस लापरवाही के चलते नवजात की मौत हो गई। महिला की हालत भी बिगड़ने लगी। परिजन उसे तुरंत एंबुलेंस से जिला महिला अस्पताल ले गए, लेकिन वहां भी स्वास्थ्यकर्मियों ने लापरवाही बरती। स्टाफ ने डॉक्टर की अनुपलब्धता का हवाला देकर इलाज शुरू करने में देरी की। परिजनों के बार-बार आग्रह के बावजूद उचित चिकित्सा नहीं मिली, और अंततः महिला की भी मौत हो गई। यह घटना जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाल स्थिति को दर्शाती है।

हाल ही में स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदारों का एक विवादित बयान भी चर्चा में रहा था, जिसने विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए थे।

इस मामले में रूपईडीह पीएचसी के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. अजय यादव ने बताया कि घटना की जांच शुरू कर दी गई है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह घटना न केवल स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही को उजागर करती है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा सुविधाओं की भी पोल खोल रही है।

हिंदुस्तान ओलंपियार्ड में एस0जे0एस पब्लिक स्कूल ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से किया विद्यालय का नाम रोशन

महराजगंज/रायबरेली। एस0जे0एस महराजगंज की कक्षा 10 की छात्रा कशिश सिंह ने जे0सी0ससाह के अंतर्गत 12 सितम्बर 2025 को जनपद मुख्यालय रायबरेली में आयोजित बात-विवाद प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। छात्रा की उपलब्धि पर जे0सी0आई0 रायबरेली ने प्रमाण-पत्र एवं ट्रॉफी प्रदान कर उत्साहित किया। छात्रा ने इस उपलब्धि का श्रेय अपने विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती मृदुला श्रीवास्तव एवं समस्त अध्यापकों एवं अध्यापिकाओं को दिया। विद्यालय प्रबंधक अग्रज सिंह व सह प्रबंधिका डॉक्टर अनुश्री सिंह ने छात्रा की हौसला-अफजाई करके उज्ज्वल भविष्य की कामनाओं के साथ नित नये आयामों को छूने का आशीर्वाद प्रदान किया एवं विद्यालय के समस्त स्टाफ को अपनी शुभकामनाएं दी।

शारदीय दुर्गा उत्सव पर 120 निर्धन महिलाओं को वस्त्र वितरण

● भारत सेवाश्रम संघ और श्रीभूमि हिंदू मिलन मंदिर का संयुक्त आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि, 14 सितम्बर (रविवार) रामकृष्णनगर विधानसभा के दुल्लभछड़ा के निकट मोकामछड़ा (राम कॉलोनी) दुर्गा मंदिर परिसर में शारदीय दुर्गा उत्सव के अवसर पर एक विशेष सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह आयोजन श्रीभूमि हिंदू मिलन मंदिर संचालन समिति और भारत सेवाश्रम संघ के संयुक्त प्रयास से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत भारत सेवाश्रम संघ के संस्थापक शिवावतार आचार्य श्रीमत स्वामी प्रणबानंद महाराज की प्रतिकृति पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन और पुष्पांजलि से हुई। इस दौरान संघ के कार्यकर्ता देवब्रत घोष ने कहा कि "भारत सेवाश्रम एक धार्मिक, शैक्षिक और मानवहितैषी संगठन है, जो मानव सेवा, राष्ट्रप्रेम और आध्यात्मिक चेतना का संदेश जन-जन तक पहुँचाता है।"

सेवा कार्य के अंतर्गत रुपाग्राम, कोनाग्राम, मोकामछड़ा, श्रीकृष्णपुर और दामछड़ा त्रिपुरापूंजी सहित आसपास के गांवों से आईं 120 गरीब महिलाओं को वस्त्र वितरित किए गए। दुर्गा पूजा के इस पावन पर्व पर यह दृश्य मानवता और सहयोग की मिसाल बना। कार्यक्रम को सफल बनाने में समाजसेवियों और शिक्षकों का विशेष योगदान रहा। एन.सी. बरदलै एम. स्कूल के पूर्व प्रधान शिक्षक एवं सांस्कृतिक प्रेमी विश्वजीत दास के आह्वान पर यह आयोजन संभव हुआ। प्रमुख उपस्थित लोगों में प्रदीप कुमार पाल, दीपक धर, तापस दत्त, मृन्मय दास, वरुण राय, राजेंद्र देवनाथ, जवाहर नाथ, नीलोत्पल नाथ, राजीव पाल और शशबिंदु दे शामिल रहे। इस आयोजन ने यह संदेश दिया कि दुर्गा पूजा केवल धार्मिक उत्सव ही नहीं, बल्कि सेवा और संवेदना का महायज्ञ भी है। भारत सेवाश्रम संघ और श्रीभूमि हिंदू मिलन मंदिर का यह प्रयास समाज के लिए प्रेरणादायी उदाहरण है।

शासकीय हाई स्कूल बकही में उमंग की रही धूम

● उमंग है तो जिन्दगी में रंग है- कार्यक्रम की हुई बड़ी सराहना।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता
दिनेश चौधरी शहडोल

बुढ़ार। शासकीय हाई स्कूल बकही में 12 सितम्बर 2025 को उमंग दिवस मनाया गया, जिसमें कक्षा 9वीं एवं कक्षा 10वीं के छात्र छात्राओं के साथ माताओं बहनों अभिभावको विद्यालय के अध्यापक अध्यापिकाए भारी जन समूह के बीच मेहदी प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता एवं विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए, जैसे घर के कामां में लड़को की भागीदारी सिक्का फेको अंक जीतो, हमारा समाज गतिविधियों के अंतर्गत शरीर के अंगों के आपस में मैं बनूगा राजा, को लेकर लड़ाई होने लगी, तब उमंग कार्यक्रम की हेल्ड एंड बेल्नेस एम्बेस्टर श्रीमती नीतू शर्मा मैडम द्वारा बताया गया कि किस तरह से शरीर के सभी अंगो का बराबर महत्व है, वैसे भी हमस ब समाज में रहते है, समाज के प्रत्येक नागरिक के कार्यो का बराबर महत्व है, चाहे वह सफाई कर्मचारी हो, या किसी विभाग का कर्मचारी।

बेल्नेस एम्बेस्टर श्रीमती नीतू शर्मा ने यह भी कहा कि अपने अपने जगह सभी का महत्व है, सभी को सम्मान मिलना चाहिए। छात्र छात्राओं को उमंग हेल्थ लाइन नं. 14425 के बारे में बताया गया कि इस टोल फ्री नं. पर काल करके छात्र छात्राएं अपनी समस्याओं का समाधान प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन श्री अतुल मिश्रा के द्वारा किया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में श्रीकृष्ण कुमार पाण्डेय, श्रीमती झूमलता यादव, श्रीमती उर्मिला वर्मा, रामजी प्रसाद पाण्डेय, प्रधानाध्यापक, श्रीमती स्वाती नामदेव, श्रीमती कीर्ति नोखर श्रीमती जानकी साहू श्री जय लाल बैगा, श्रीराम सिंह औरके, श्री सुखदेव महरा, की सराहनीय भूमिका रही। कार्यक्रम के अंत में सभी छात्र छात्राओं को पुरूस्कार तथा मिष्ठान वितरण किया गया, उन्हे उज्जल भविष्य के लिए शुभकामनाए दी गई कार्यक्रम के सफल आयोजन होने पर विद्यालय के प्राचार्य रणजीत विक्रम सिंह द्वारा स्टाफ की सराहना के साथ साथ उपस्थित छात्र छात्राओं व भारी जन समूह को आयोजन में सम्मलित होने पर सराहना करते हुए भविष्य में आयोजित कार्यक्रम में इसी तरह बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने व सम्मलित होने की मंषा जाहिर की एवं सभी को प्रोत्साहित किया गया।

आज भारतीय जनता पार्टी मण्डल बुढ़ार की सेवा पखवाड़ा अभियान की बैठक संपन्न हुई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शहडोल भाजपा मण्डल बुढ़ार की मण्डल कार्य समिति की बैठक सिंधी धर्मशाला बुढ़ार मे सेवा पखवाड़ा अभियान के सफल क्रियान्वयन को लेकर सम्पन्न हुयी। बैठक में मुख्य अतिथि के आसंदी मे जैतपुर क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक पूर्व मंत्री माननीय जयसिंह मरावी जी, विशिष्ट अतिथि में नवनियुक्त जिला पदाधिकारी एवं अध्यक्षता भाजपा मण्डल अध्यक्ष अर्जुन सोनी ने किया, सर्व प्रथम अतिथियों के द्वारा भारत माता एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया तत्पश्चात मुख्य अतिथि क्षेत्र के लोकप्रिय नेता माननीय जयसिंह मरावी जी द्वारा अपने उद्बोधन में पार्टी के द्वारा पार्टी के दिशा निर्देश पर 17 सितंबर 2025 से 2 अक्टूबर 2025 तक भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस से सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम का शुभारंभ उत्साह पूर्वक कराया जाये, वहीं कार्यक्रम के प्रभारी श्री दौलत मनवानी जिला उपाध्यक्ष अपने उद्बोधन में पार्टी के दिशा निर्देश पर सभी कार्यक्रमों को गरिमामय सम्पन्न कराने का आग्रह किया गया। कार्यक्रमों के सफल संचालन हेतु सेवा पखवाड़ा तथा आत्मनिर्भर भारत की टोली एवं मंडल बुढ़ार के सभी शक्ति केन्द्रो पर एक पालक प्रभारी एवं सह प्रभारी की नियुक्ति की मंच से वाचन किया गया जिले के वरिष्ठ भाजपा नेता श्री राकेश पांडे जी ने अपने उद्बोधन में उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं से विनम्रता पूर्वक आग्रह किया कि देश ही नहीं विश्व के लोकप्रिय नेता यशस्वी प्रधानमंत्री जी के जन्मदिवस पर हम सब मिलकर आपसी भाईचारा के साथ में बूथ स्तर पर सभी कार्यक्रम को सफलतापूर्वक करेंगे। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में भाजपा मंडल अध्यक्ष श्री अर्जुन सोनी जी द्वारा सभी कार्यकर्ताओं को मन की बात के सफल कार्यक्रम हेतु धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आगे भी आप सभी कार्यकर्ताओं से यही अपेक्षा रखी की जिले की यशस्वी जिला अध्यक्ष अमिता चपरा जी के मार्गदर्शन में आने वाले समय के 15 सितंबर से 2 अक्टूबर तक का कार्यक्रम का सत प्रतिशत सफल कार्यक्रम होगा ऐसी अपेक्षा व्यक्त की। आज के बैठक में मंच संचालन मंण्डल के उपाध्यक्ष सूरज गुप्ता ने किया तथा आभार प्रदर्शन युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष नमन ताम्रकार ने किया ,अंत में भारतीय जनता पार्टी मंडल बुढार के द्वारा अपने सभी तीनों जिला पदाधिकारी जिला उपाध्यक्ष व जिला मंत्री का शाल श्रीफल से सम्मान किया गया। तथा हमेशा हम सभी मंण्डल कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन प्राप्त होता रहेगा ऐसी अपेक्षा रखी।

इनकी रही उपस्थित अंत्योदय समिति नगर परिषद बुढार के अध्यक्ष श्री पुष्पेंद्र ताम्रकार, व्यवसायिक प्रकोष्ठ के जिला संयोजक विजय ताम्रकार मंण्डल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष धर्मेंद्र जैन दातुमल बिशनदासानी मंडल टोली संयोजक भागचंद सोनी मंडल महामंत्री रामनाथ कोल सम्हारू सिंह नीलेंद्र द्विवेदी राजेश द्विवेदी आशुतोष तिवारी निलेश कुमार महारा नमन ताम्रकार यश तालरेजा विनोद पाठक शुभम द्विवेदी नीरज शर्मा सचिन साहू राजभान सिंह हरि सिंह आनंद नपित पंकज सिंह कामता साहू धर्मदास साहू भूषण साहू काजल शरावगी महिला मोर्चा अध्यक्ष सविता सिंह पूर्व जिला मंत्री जूली जैन मनीषा एस मालानी सैकड़ो भाजपा कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

असम श्रीभूमि जिले के विद्यानगर मैदान में फुटबॉल का रोमांच, सांसद कृपानाथ मालाह ने खिलाड़ियों को किया सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि संवाददाता श्रीभूमि जिले के विद्यानगर स्वर्गीय श्री कृष्ण मोहन मालाह की पुण्य स्मृति में आयोजित नॉकआउट फुटबॉल टूर्नामेंट ने विद्यानगर के मैदान में उत्साह, ऊर्जा और खेल भावना का अद्भुत संगम रचा। 10 सितंबर से शुरू हुए इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में कुल 16 टीमों ने भाग लिया है, और हर मैच के साथ रोमांच अपनी पराकाष्ठा की ओर बढ़ रहा है। 14 सितंबर को खेले गए प्रमुख मुकाबले में एस आर एम स्ट्राइकिंग मुल्लीआला ने यूनाइटेड इलेवन ब्रदर्स को 4 गोल से पराजित कर शानदार जीत दर्ज की। टीम की आक्रामक रणनीति और अनुशासित खेल ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। मुख्य अतिथि सांसद कृपानाथ मालाह की गरिमामयी उपस्थिति इस अवसर पर श्रीभूमि के लोकप्रिय सांसद कृपानाथ मालाह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनका मनोबल बढ़ाया और बेहतरीन प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा- ÷खेल हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा है। खिलाड़ियों का जोश, मैदान का उत्साह और दर्शकों का समर्थन यह सब मिलकर इस टूर्नामेंट को एक आनंद उत्सव बना देता है। यह मेरे लिए और भी भावनात्मक पल है, क्योंकि यह आयोजन मेरे प्रिय पिताजी स्व. श्री कृष्ण मोहन मालाह जी की स्मृति में किया जा रहा है।"

यूथ क्लब और आयोजन समिति की सराहना इस आयोजन को सफल बनाने में विद्यानगर यूथ क्लब और खेल संचालन समिति का विशेष योगदान रहा। मैदान में सुरक्षा, सुविधा और अनुशासन का बेहतरीन प्रबंधन देखने को मिला, जिसे दर्शकों और खिलाड़ियों ने खूब सराहा। अभी बाकी है सेमीफाइनल और फाइनल का रोमांच जैसे-जैसे टूर्नामेंट आगे बढ़ रहा है, दर्शकों में उत्सुकता बढ़ती जा रही है कि कौन सी टीम फाइनल तक पहुंचेगी और विजयी ताज अपने नाम करेगी। फुटबॉल प्रेमियों के लिए यह टूर्नामेंट एक यादगार अनुभव बनता जा रहा है। विशेष आकर्षण- 16 टीमों की भागीदारी उत्साही दर्शकों की भीड़. सांसद की विशेष प्रेरणा व उपस्थिति खेल भावना और अनुशासन का उत्तम उदाहरण।

चोरो ने घर मे घुसकर नगदी सहित लाखो के बहुमूल्य जेवरात उड़ाए

● विधायक प्रेम नारायण पाण्डेय व प्रमुख राजेंद्र प्रताप सिंह उर्फ गुड्डू ने पीड़ित के घर पहुंचकर न्याय का दिलाया भरोसा

एसपी का यह बयान की कोई चोरी नही अफवाह ग्रामीणो पर कहर बनकर टूट रहा,चोरो के हौंसले बुलंद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोण्डा। चोरो के तांडव से जिले का क्या कोई गांव क्या कोई कस्बा सब जगह चोरो का आतंक दिखाई पड़ रहा है। रात हो या दिन वारदात को अंजाम तक पहुंचाने मे चोर कोई कोर कसर नही छोड़ रहे हैं। वहीं एसपी विनीत जायसवाल का यह बयान की कोई चोरी नही अफवाह ग्रामीणो पर कहर बनकर टूट रहा है और चोरो के हौंसले बुलंद हैं। इसी क्रम में एक गांव मे चोरों द्वारा नगदी सहित लाखो रूपए का बहुमूल्य जेवरात उड़ाए जाने की घटना सामने आई है। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल मे जुटी हुई है। क्षेत्रीय विधायक व ब्लॉक प्रमुख बेलसर ने भी पहुंचकर पीड़ित को न्याय का भरोसा दिलाते हुए जल्द ही चोरी के पर्दाफाश कराये जाने का आश्वासन दिया है।

थाना क्षेत्र अंतर्गत उमरी बेगमगंज के ग्राम पंचायत डिक्सिर के दोहरीजीत शक्ति सिंह के घर को निशाना बनाते हुए चोर रात दो बजे के करीब घर मे घुसकर पांच सोने की अंगूठियां, एक मंगलसूत्र, सोने की लाकेट, सोने का झाला तथा लगभग चार हजार रुपये नकद चोरी कर उठा ले गये है। सूचना पर पहुंची उमरीबेगमगंज पुलिस ने पहुँचकर जांच पड़ताल की है। क्षेत्रीय विधायक प्रेम नारायण पांडे और ब्लॉक प्रमुख बेलसर राजेंद्र प्रताप सिंह गुड्डू भी मौके पर पहुंचकर पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाते हुए आश्वासन दिया कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा और जल्द न्याय मिलेगा। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक उमरी बेगमगंज नरेंद्र प्रताप राय ने बताया कि तहरीर प्राप्त हो चुकी है। मामले की गहन जांच की जा रही है तथा चोरों की तलाश में टीम लगा दी गई है। जल्द ही घटना का पर्दाफाश किया जाएगा। जिले मे इस समय चोरियों की बाढ़ सी आ गयी है।चोर पुलिस अधीक्षक पर भारी पड रहे हैं जिनके द्वारा अब तक यह कहा जा रहा था चोरियां मात्र अफवाह हैं। अब चोर एसपी के वक्तव्य के हवा निकालने मे जुटे हुए हैं। एनकाउंटर के बाद भी चोर हैं की मान ही नही रहे हैं।

असम में धार्मिक अल्पसंख्यकों पर अत्याचार का मुद्दा राष्ट्रीय सेमिनार में उठा

● ऑल इंडिया मिल्ली काउंसिल का तीन दिवसीय आयोजन हैदराबाद में सम्पन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि- ऑल इंडिया मिल्ली काउंसिल के राष्ट्रीय स्तर के सेमिनार का आयोजन 12 से 14 सितंबर तक हैदराबाद में किया गया। सेमिनार की अध्यक्षता काउंसिल के कार्यकारी अध्यक्ष मौलाना अनिसुर रहमान ने की, जिसमें देशभर से प्रतिनिधि शामिल हुए।

असम राज्य समिति की ओर से गुवाहाटी हाई कोर्ट के वकील एवं राज्य सह-सचिव काजी जे.एम. सुलेमान ने राज्य में धार्मिक अल्पसंख्यकों की स्थिति पर गंभीर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि असम में वास्तविक भारतीय धार्मिक अल्पसंख्यकों पर अमानवीय उच्छेदन, अन्याय और अत्याचार किए जा रहे हैं।

सुलेमान के अनुसार, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा शर्मा के कार्यकाल में अब तक लगभग 700 मदरसे बंद किए जा चुके हैं और कई मस्जिदों तथा मदरसों को क्षति पहुँचाई गई है। उन्होंने बताया कि धरं जिला के गर्दुकुती, लामडिंग नखुटी, गुवालपाड़ा के हासीला बिल और करीमगंज के कटामनी जैसे क्षेत्रों में हजारों परिवारों को बेघर किया गया, जिससे धार्मिक अल्पसंख्यक समुदाय के हजारों बच्चे शिक्षा से वंचित हो गए हैं।

सुलेमान ने भावुक अपील करते हुए कहा कि "भारत में सबसे कठिन हालात का सामना कर रहे असम के धार्मिक अल्पसंख्यकों की यह वास्तविक स्थिति राष्ट्रीय स्तर पर सामने लाई जा रही है।" सेमिनार में देश के विभिन्न राज्यों से आए मिल्ली काउंसिल के प्रतिनिधियों और अन्य सामाजिक संगठनों के सदस्यों ने भी भाग लिया और असम की घटनाओं पर चिंता व्यक्त की।

मातृ नवमी पर सीडीओ ने किया गौशाला व विद्यालय का निरीक्षण, गायों का पूजन

भदोही। मातृ नवमी के अवसर पर सोमवार को मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) बाल कृष्ण शुक्ला ने ब्लॉक अभोली के मसुधी गांव का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्थाई गौशाला, प्राथमिक विद्यालय व आंगनबाड़ी केंद्र का जायजा लिया। निरीक्षण के समय विद्यालय और आंगनबाड़ी केंद्र की व्यवस्था देखकर सीडीओ ने ग्राम प्रधान व जिम्मेदारों की सराहना की। आंगनबाड़ी केंद्र पर 0 से 6 वर्ष तक के बच्चों को खीर और आवश्यक सामग्री वितरित की गई।

मौके पर सीडीओ गौशाला भी पहुंचे, जहां मातृ नवमी की परंपरा के तहत उन्होंने गायों को गुड़, चना, केला और हरा चारा खिलाकर पूजन-अर्चन किया। उन्होंने कहा कि मातृ नवमी पर पितरों का तर्पण और गौ पूजन की परंपरा है। गायों की सेवा करना पूर्वजों की स्मृति और आशीर्वाद प्राप्त करने का माध्यम है।

सीडीओ ने कहा कि ग्राम पंचायत स्तर पर साफ-सफाई और व्यवस्थाओं में सुधार दिख रहा है। उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों से विद्यालय और गौशाला की देखभाल लगातार करने की अपील भी की। इस अवसर पर बीडीओ अभोली अनिल राय, पशु चिकित्सक डॉ. राजेश, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि विंध्यवासिनी पांडे और प्रधानाचार्य राजेश शुक्ला मौजूद रहे।

टीईटी की अनिवार्यता को हटाने की मांग को लेकर उत्तर प्रदेश जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ ने सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश जूनियर हाई स्कूल (पूर्व माध्यमिक) शिक्षक संघ के बैनर तले सोमवार को संगठन के जिलाध्यक्ष राधेश्याम वर्मा व महामंत्री अवधेश कुमार सिंह के नेतृत्व में भारी संख्या में शिक्षकों ने टीईटी की अनिवार्यता को हटाने की मांग करते हुए प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, केंद्रीय शिक्षा मंत्री व जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन डीएम कार्यालय पर प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा।

संगठन के जिलाध्यक्ष अवधेश कुमार सिंह ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा टीईटी की अनिवार्यता सम्बंधित निर्णय से प्रदेश के लाखों शिक्षक परेशान व दुःखी हैं। महामंत्री ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के अनुसार अब जिन शिक्षकों के सेवाकाल 5 वर्ष से अधिक शेष हैं उन्हें टीईटी परीक्षा को उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। इस निर्णय को सुनकर प्रदेश के लाखों शिक्षक काफी दुखी हैं। शिक्षक मानसिक तनाव से गुजर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में टीईटी संबंधित दायर याचिका के समय महाराष्ट्र व तमिलनाडु सरकार मुख्य पक्षधर थी, लेकिन देशव्यापी निर्णय पर प्रदेश के शिक्षक काफी कठिन दौर से गुजर रहे हैं और वह मानसिक तनाव में हैं। ऐसे निर्णय पर सरकार को विचार किये जाने की जरूरत है। जिलाध्यक्ष राधेश्याम वर्मा ने कहा कि लाखों लाख शिक्षकों के समस्याओं को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट के दिये गये निर्णय के बाद सरकार नियम या अधिनियम में संशोधन कर प्रभावित शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता से राहत देने की मांग की। इस दौरान अभय प्रताप सिंह, अभय पांडेय, अखिलेश मिश्रा, बालचंद, शिवमंगल विश्वकर्मा, अतिउल्लाह, वीरेंद्र बहादुर तिवारी, प्रकाश नाथ त्रिपाठी, महामंत्री यूटा हरिमोहन सिंह, सुशील सिंह, विनोद बजाज, कुलदीप भार्गव, रमेश चंद, मनोज यादव, वीरेंद्र बहादुर तिवारी, कुंवर प्रताप मल्ल आदि उपस्थित रहे।